RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:212 ता. 07 फरवरी 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

आज दुनिया में मनाया गया सुरक्षित इंटरनेट दिवस

नई दिल्ली।

आज पूरी दुनिया ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया है। इसमें इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल को लेकर प्रोत्साहित किया गया। बच्चे बड़े या बूढ़े अपने काम को आसान बनाने और समय को काटने के लिए इंटरनेट पर अच्छा खासा समय बिताते हैं। इंटरनेट पर लगातार सक्रिय रहना साइबर क्राइम की दृष्टि से क्या सुरक्षित है? क्या इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे लोग इसके फायदे के साथ-साथ इसके खतरे से भी आगाह हैं। हर रोज हो रही आर्थिक ठगी से लेकर लड़कियों की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें ब्लैकमेल तक किया जाना साइबर क्राइम में शामिल है। 2004 में यूरोपियन संघ द्वारा इंटरनेट को युवाओं के लिए सुरक्षित बनाने को सुरक्षित इंटरनेट दिवस की शुरुआत की गई थी। अब दुनिया भर में इस दिवस को फरवरी में मनाया जाता है। इस साल छह फरवरी को मनाया जा रहा है। डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लों ने बताया कि इस साल इस दिवस की थीम एक साथ बेहतर इंटरनेट है। इसका उद्देश्य सभी लोगो को मिलकर इंटरनेट को एक सुरक्षित बनाना है। इंटरनेट का दुरुपयोग कर अपराधी आए दिन निजी तस्वीरों और जानकारी से छेड़छाड़ कर लोगों खासतौर पर लड़कियों को परेशानी में डाल देते हैं लेकिन इन तक पहुंचने का रास्ता भी इंटरनेट ही निकालता है। ढिल्लों ने बताया कि कोई भी महिला एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से ऐसे मामलों की शिकायत दर्ज करा सकती है या फिर 1930 हेल्पलाइन नंबर की सहायता ले सकती हैं।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का बयान समान नागरिक संहिता की जरुरत नहीं

नई दिल्ली ।

उत्तराखंड की विधानसभा में समान नागरिक संहिता बिल पेश कर दिया गया है। इस बिल को मंजूरी मिलने के बाद राज्य के सभी लोगों के लिए सिविल कानून एक समान होगा। लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को यह बिल नागवार गुजरा है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि ऐसा कानून बनाना गलत है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों के लिए 1937 का शरियत कानून है। इसके अलावा हिंदुओं के लिए भी हिंदू मैरिज एक्ट, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम और हिंदू एडॉप्शन एक्ट उपलब्ध हैं। महली ने कहा, हमारा मानना है कि सभी कानूनों में समानता नहीं लाई जा सकती है। यदि आप किसी एक समाज को कानून से बाहर करते हैं, तब फिर यह कैसी समान नागरिक संहिता है। संविधान के मूल अधिकारों में से एक धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार भी है। हमारी राय है कि इसतरह के किसी यूसीसी की जरूरत नहीं है। इस तरह फरंगी महली इस बीच कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि भाजपा की राज्य सरकारों के पास गिनाने के लिए कुछ नहीं है। इसलिए यूसीसी का प्रोपेगेंडा खड़ा किया जा रहा है। भाजपा जैसे विविधता वाले देश में अलग-अलग फूलों का गुलदस्ता है, लेकिन यह सरकार एक ही रंग में पूरे देश को रंगना चाहती है। हर तरीका आजमा लें, लेकिन भाजपा उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव में बुरी तरह हारेगी।

भारत की तरफ आंख उठाने वाले को मुंहतोड़ जवाब मिलेगा : राजनाथ सिंह

राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद देश की सुरक्षा को लेकर रक्षा मंत्री ने दिया बयान

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब कमजोर नहीं, बल्कि ताकतवर बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की टिप्पणी के बाद सदन में यह बयान दिया है। बता दें कि चर्चा में भाग लेते हुए चौधरी ने कहा कि अभिभाषण में देश की सुरक्षा का कोई उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने सवाल किया कि लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पूर्व की यथास्थिति की बहाली का क्या हुआ? कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख तक हाल बुरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में चीन से संबंधित नीति लगातार विफल रही है। इस पर हस्तक्षेप करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संदर्भ में चौधरी ने जो भी कुछ कहा है कि वह उससे असहमति व्यक्त करते हैं। सिंह ने कहा, ''मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत अब कमजोर भारत नहीं है। भारत अब ताकतवर भारत बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। संसद के पटल पर देश को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए।'' सिंह ने कहा, ''अगर कांग्रेस की सरकार भी होती तो हमारी पार्टी देश के मान-सम्मान के साथ खड़ी रही है और खड़ी रहती।' उन्होंने कहा कि वह चौधरी की इस बात की निंदा करते हैं। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजीजू ने चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा, 'चीन ने जितनी भूमि पर कब्जा किया है, वो कांग्रेस के शासन के समय किया है।

हरदा की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में 9 की मौत, 167 घायल

भोपाल/हरदा।

मध्य प्रदेश के हरदा जिले में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए कई विस्फोटों के बाद लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या नौ हो गई है और 167 घायल हैं। कई घायलों को विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार हरदा के बैरागढ़ इलाके में मगरधा रोड के करीब एक आवासीय बस्ती है और यहां एक अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित है। इस फैक्ट्री में मंगलवार को विस्फोटों के साथ आग लग गई। आसमान में आग और धुएं के गुबार नजर आ रहे हैं। यह आग भीषण रूप ले चुकी है और उसने कई मकानों को भी प्रभावित किया है। आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी के अनुसार मरने वालों की संख्या नौ हो गई है। घायलों की संख्या 167 है। 142 घायलों का हरदा जिला अस्पताल, 25 का भोपाल के एम्स व नर्मदापुरम के अस्पताल में इलाज जारी है। राहत और बचाव कार्य जारी है। आग पर काबू पाने के लिए आसपास के क्षेत्र से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गई है।

राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस हादसे को लेकर एक्स पर लिखा, हरदा में पटाखा फैक्ट्री में आग लगने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मंत्री उदय प्रताप सिंह और वरिष्ठ अधिकारी घटना स्थल पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने इस हादसे में झुलसे और घायलों को बेहतर उपचार मुहैया कराने को लेकर भोपाल तथा इंदौर में मेडिकल कॉलेज और एम्स भोपाल में बर्न यूनिट को आवश्यक तैयारी करने को कहा है। साथ ही इंदौर व भोपाल से फायर ब्रिगेड की दमकलों को भी भेजा जा रहा है। फैक्ट्री में पटाखों में विस्फोट और आग के विकराल रूप लेने के बाद आसपास के कई मकान भी इस आग की चपेट में आ गए हैं। इतना ही नहीं फैक्ट्री के आसपास के इलाके में मकान से उछले ईंट-पत्थर ने सड़कों से गुजरते लोगों को भी अपनी चपेट में ले लिया। कई लोग सड़क पर अचेत अवस्था में भी नजर आए। हादसा स्थल पर राहत व बचाव कार्य जारी है। एक दर्जन से ज्यादा जेसीबी मलबा हटाने में लगी है तो जगह-जगह सुलग रही आग व उठते धुएं पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगी हुई है। राज्य सरकार के पूर्व मंत्री कमल पटेल ने भी इस हादसे को दुखद बताया है। उनका कहना है कि आग भीषण है और उस पर काबू पाने के लिए आसपास के क्षेत्र से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गई है। इस फैक्टरी को बैन

किया गया था, ब्लैक लिस्टिड कर दिया गया था। उसके बाद कैसे चल रही थी, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक के बाद एक कई धमाके सुनाई दिए और आग का गुबार नजर आने लगा। इसके साथ ही पटाखा फैक्टरी के आसपास के मकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। यह धमाके इतने तेज थे कि आसपास का इलाका भी दहल गया।

जय श्री राम के उदघोष के साथ सीएम धामी ने पेश किया यूसीसी बिल

कांग्रेस और सपा के सदस्य गुस्से से हुए लाल

बड़ा चुनावी वादा पूरा कर विधानसभा में बहुप्रतीक्षित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश कर दिया।

नई दिल्ली ।

उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने मंगलवार को अपना बड़ा चुनावी वादा पूरा कर विधानसभा में बहुप्रतीक्षित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश कर दिया। भाजपा विधायकों के जय श्रीराम के उद्घोष और विपक्षी कांग्रेस विधायकों के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री धामी ने विधानसभा में यह विधेयक पेश किया। इसके बाद हंगामे को देखकर विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। बता दें कि प्रदेश मंत्रिमंडल ने यूसीसी मसौदे को स्वीकार कर विधेयक के रूप में सदन के पटल पर रखे जाने की मंजूरी दी थी। चार खंडों में 740 पृष्ठों के इस मसौदे को सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय समिति ने मुख्यमंत्री को सौंपा था। यूसीसी पर अधिनियम बनाकर प्रदेश में लागू करना 2022 में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जनता से किए गए प्रमुख वादों में से एक था। वर्ष 2000 में अस्तित्व में आए उत्तराखंड में लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर इतिहास रचने के बाद भाजपा ने मार्च 2022 में सत्ता संभालने के साथ ही मंत्रिमंडल की पहली बैठक में यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के गठन को मंजूरी दे दी थी। कानून बनने के बाद उत्तराखंड आजादी के बाद यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। गोवा में पुर्तगाली शासन के दिनों से ही यूसीसी लागू है। यूसीसी के तहत प्रदेश में सभी नागरिकों के लिए एकसमान विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता, जमीन, संपत्ति और उत्तराधिकार के कानून लागू होगा, चाहे वे किसी भी धर्म को मानने वाले हों। धामी द्वारा विधेयक पेश करने दौरान सत्तापक्ष के विधायकों ने ''भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय श्रीराम'' के नारे भी लगाए।

दूसरी ओर यूसीसी को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्षी कांग्रेस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आरोप लगाया है कि विधेयक पेश करने से पहले विधायकों को इसका ड्राफ्ट नहीं सौंपा गया। वहीं समाजवादी पार्टी ने कहा है कि विधेयक में अगर कोई ऐसी बात हुई जिसकी हमारा धर्म इजाजत नहीं देता तब हम उस नहीं मनाने वाले हैं।

यूपी से कुमार विश्वास को राज्यसभा में भेज सकती भाजपा

गाजियाबाद से आम चुनाव लड़ने की तैयारी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश की सात राज्यसभा सीटों के लिए भाजपा ने 35 नाम की एक सूची तैयार की है। दिलचस्प है कि इस सूची में तेज-तर्रार प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी को फिर से भेजने के साथ-साथ कुमार विश्वास के नाम पर भी चर्चा की गई है। हाल के दिनों में कुमार विश्वास पूरी तरीके से भाजपा के रंग में रंगे दिखाई दिए हैं। इसके बाद अगर पार्टी की ओर से उन्हें राज्यसभा भेजा जाता है, तब इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा की कोर कमेटी की बैठक हुई थी। बैठक में इन 35 प्रत्याशियों के नाम को लेकर चर्चा की गई है। इसके अलावा कुमार विश्वास को गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव लड़ने की भी तैयारी है। इसकी भी चर्चा उत्तर प्रदेश की राजनीति में खूब चल रही है। बड़ा सवाल यह है कि आखिर कुमार विश्वास को लेकर भाजपा की क्या रणनीति है? हाल के दिनों में वह लगातार कथा वाचन और कविताओं के जरिए

लोगों के बीच रहते हैं। रामचरितमानस को लेकर भी वह विशेष व्याख्यान देते हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद कुमार विश्वास पर बेहद खुश नजर आए। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन वहां मौजूद रहे। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद भी दिया था। उत्तर प्रदेश में 10 राज्य सभा की सीटें खाली हो रही है। इनमें से सात भाजपा के खाते में है, वहीं तीन समाजवादी पार्टी के खाते में है। 7 सीटों पर भाजपा के दावेदारी मजबूत है दो पर समाजवादी पार्टी की। तीसरी सीट भी समाजवादी पार्टी के खाते में जा सकती है। लेकिन अगर भाजपा चाहे तब वहां अपना उम्मीदवार उतार कर राजनीतिक गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

दुनिया के विकास के लिए भारत समर्थ और सक्षम बनना जरुरी : मोहन भागवत

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के विकास को लेकर एक अहम बयान दिया है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि देश को दुनिया के लिए अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और अपना विकास करना होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया को विनाश से बचने के लिए भारत को समर्थ और सक्षम बनना जरूरी है।उन्होंने कहा कि अगर देश को यह मुकाम हासिल करने में असफलता मिलती है, तब दुनिया कई परेशानियों से गिर जाएगी। पूरी दुनिया वर्तमान में कई परेशानियों से ग्रसित है। दुनिया भर में स्थिति बेहद उथल-पुथल हो गई है, जिसका जिक्र कई बुद्धिजीवियों ने भी किया है। संघ प्रमुख ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाना एक साहसी कार्य था। भगवान के आशीर्वाद के बाद कार्य पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद में अयोध्या में रामलला विराजमान हुए हैं। प्राण प्रतिष्ठा भगवान की इच्छा के कारण ही पूरा हुआ है। अब देश को आगे बढ़ना होगा क्योंकि दुनिया को देश की जरूरत है।

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था : मोदी

-प्रधानमंत्री ने गोवा में ओएनजीसी सी सर्वाइवल सेंटर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली ।

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओएनजीसी सी सर्वाइवल सेंटर का उद्घाटन करने के दौरान कही। उन्होंने सेंटर का उद्घाटन करने के बाद प्रदर्शनी का भी जायजा लिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडिया एनर्जी वीक के इस दूसरे संस्करण में आप सभी का अभिनंदन करता हूं। हमारे लिए ये बहुत खुशी की बात है कि इंडिया एनर्जी वीक का आयोजन हमेशा एनर्जी से भरे रहने वाले गोवा में हो रहा है। पीएम ने कहा इस वित्त वर्ष के पहले 6 महीनों में भारत की जीडीपी दर 7.5 फीसदी से अधिक हो गई है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।हाल ही में, आईएमएफ ने भी ये भविष्यवाणी की है कि हम ऐसे ही तेजी से आगे बढ़ेंगे। आज पूरी दुनिया के विशेषज्ञ ये मान रहे हैं कि भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। पीएम मोदी ने कहा कि गोवा अपने आतिथ्य भाव के लिए जाना जाता है। पीएम ने कहा कि गोवा इस समय विकास के नए प्रतिमानों को छू रहा है। आज जब हम पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता की बात करने के लिए एकजुट हुए हैं,

टिकाऊ भविष्य के बारे में बात करने जा रहे हैं। तो इसके लिए गोवा बहुत ही परफेक्ट डेस्टिनेशन है। समारोह में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विकास केंद्र और वैश्विक ऊर्जा के लिए मांग केंद्र बन रहा है। इस स्थिति को दर्शाते हुए, केवल दो वर्षों में एनर्जी इंडिया एनर्जी वीक वैश्विक ऊर्जा कैलेंडर पर एक प्रमुख तारीख बन गया है। इस वर्ष हमारे पास 900 प्रदर्शक हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रे तिशत ज्यादा है।

पीएम मोदी के अगुवाई में चीन को पछाड़ रहा भारत

दुनियाभर निवेशक भारत में निवेश कर रहे

मुंबई।

हम सभी लंबे समय से सुनते आ रहे हैं 21वीं सदी भारत की होगी। लेकिन अब मोदी सरकार में यह सच साबित होता दिख रहा हैं। विदेशी निवेशक भारत की ग्रोथ स्टोरी को लेकर विश्वास जता रहे हैं। यही वजह है कि लंबे समय से चीन में निवेश करने वाले निवेशक अब भारत की ओर रुख कर रहे हैं। भारत की तेजी के साथ बढ़ती अर्थव्यवस्था में हर कोई निवेश के लिए आगे आता दिखाई दे रहा है। जापान के रिटेल इंवेस्टर्स जिनके विषय में प्रचलित है कि ये रूढ़िवादी होते हैं। लेकिन वे भी अब भारत में निवेश कर रहे हैं। वहीं चीन में अपना निवेश घटा रहे हैं। इसके अलावा कई प्रमुख हेज फंड भी भारत का रुख कर रही हैं। यह दर्शाता है कि आने वाले समय में चीन की अर्थव्यवस्था के मुकाबले भारत की अर्थव्यवस्था बहुत ही बेहतर होगी। दुनिया भर के निवेशक वर्तमान में चीन और भारत पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। पिछले 1 दशक के दौरान भारत में पीएम मोदी की अगुवाई में इंफ्रास्ट्रचर और कनेक्टिविटी पर बहुत काम हुआ है। जिसकी वजह निवेशक भारत में निवेश को लेकर उत्सुक दिखाई दे रहे हैं। जहां एक तरफ भारत दुनिया की सबसे तेज ग्रोथ करने वाली इकोनॉमी है वहीं दूसरी चीन कोविड-19 के बाद से ही जूझ रहा है।

दहाड़ रहा है शेयर बाजार

सिंगापुर का मानना है कि भारत पर विश्वास जताने की कई वजहें हैं। यहां एक लॉन्ग टर्म ग्रोथ स्टोरी है। भारत के प्रति निवेशकों का यह रुख नया नहीं है। ग्लोबल लेवल पर भारत की तरफ निवेशकों के बढ़ते कदम की आहट दोनों देशों के शेयर बाजारों से समझा जा सकता है। जहां एक तरफ बीएसई सेंसेक्स में अप्रैल 2023 के बाद तेजी देखने को मिल रही है। वहीं, चीन का संघाई शेनजेन सीएसआई 300 इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली है। इतिहास इस बात के गवाह रहे हैं कि भारत का शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था की रफ्तार एक दूसरे से जुड़े रहे हैं। अगर इंडियन इकोनॉमी की ग्रोथ रेट 7 प्रतिशत बरकरार रही तब मार्केट में साइज में भी इतने का इजाफा देखने को मिल सकता है। पिछले 20 सालों के दौरान घरेलू प्रोडक्ट एंड मार्केट कैपिटल 500 बिलियन डॉलर से बढ़कर 3.5 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है।

भारत और चीन के बीत प्रतिद्वंदिता किसी से छिपी नहीं है। अगर पश्चिमी देशों को चीन एक खतरा नजर आया तब स्वाभाविक तौर पर उसका फायदा भारत को मिलेगा। अमेरिका जैसे देश जो भारत की टैक्स प्रणाली के मुखर आलोचक हैं, वहां देश के साथ मजबूत बिजनेस चाहते हैं। भारत इस समय दुनियाभर के 7 प्रतिशत आईफोन का उत्पादन करता है। जो बढ़ती अर्थव्यस्था का एक संकेत है।

सीएम रेवंत रेड्डी ने सोनिया से की तेलंगाना से चुनाव लड़ने की अपील

हैदराबाद। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से तेलंगाना से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने सोमवार शाम नई दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात करके उन्हें बताया कि तेलंगाना कांग्रेस इकाई ने एक प्रस्ताव पारित कर उनसे राज्य से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। सीएम रेड्डी ने उन्हें यह भी बताया कि राज्य सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया है और तैयारी शुरू हो गई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोनिया गांधी से अगला लोकसभा चुनाव राज्य से लड़ने का आग्रह किया है। रेड्डी ने यहां एक आधिकारिक बयान में कहा कि राज्य से चुनाव लड़ने का अनुरोध इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि लोग उन्हें मां के रूप में देखते हैं। दरअसल, सोनिया गांधी ने तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिया। हालां?कि इस प्रस्ताव पर सोनिया गांधी ने यह कहकर प्रतिक्रिया दी है कि उचित समय आने पर निर्णय लिया जाएगा। मुलाकात के दौरान सीएम रेवंत रेड्डी के साथ उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी भी थे। उन्होंने सोनिया गांधी को अपनी सरकार द्वारा लागू किए जा रहे चुनावी वादों की जानकारी भी दी। कांग्रेस की छह चुनावी गारंटियों में से, राज्य द्वारा संचालित आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा और गरीबों के लिए 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य योजना पहले से ही लागू की जा रही है। जबकि राज्य सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया है और तैयारी शुरू हो गई है। अब पार्टी की राज्य इकाई आगामी आम चुनावों में अधिक से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य हासिल करने के लिए तैयारियां हो रही है।

आज दुनिया में मनाया गया सुरक्षित इंटरनेट दिवस

नई दिल्ली। आज पूरी दुनिया ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया है। इसमें इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल को लेकर प्रोत?साहित किया गया। बच्चे बड़े या बूढ़े अपने काम को आसान बनाने और समय को काटने के लिए इंटरनेट पर अच्छा खासा समय बिताते हैं। इंटरनेट पर लगातार सक्रिय रहना साइबर क्राइम की दृष्टि से क्या सुरक्षित है? क्या इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे लोग इसके फायदे के साथ-साथ इसके खतरे से भी आगाह हैं। हर रोज हो रही आर्थिक ठगी से लेकर लड़कियों की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें ब्लैकमेल तक किया जाना साइबर क्राइम में शामिल है। 2004 में यूरोपियन संघ द्वारा इंटरनेट को युवाओं के लिए सुरक्षित बनाने को सुरक्षित इंटरनेट दिवस की शुरुआत की गई थी। अब दुनिया भर में इस दिवस को फरवरी में मनाया जाता है। इस साल छह फरवरी को मनाया जा रहा है। डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लों ने बताया कि इस साल इस दिवस की थीम एक साथ बेहतर इंटरनेट है। इसका उद्देश्य सभी लोगो को मिलकर इंटरनेट को एक सुरक्षित बनाना है। इंटरनेट का दुरुपयोग कर अपराधी आए दिन निजी तस्वीरों और जानकारी से छेड़छाड़ कर लोगों खासतौर पर लड़कियों को परेशानी में डाल देते हैं लेकिन इन तक पहुंचने का रास्ता भी इंटरनेट ही निकालता है। ढिल्लों ने बताया कि कोई भी महिला एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से ऐसे मामलों की शिकायत दर्ज करा सकती है या फिर 1930 हेल्पलाइन नंबर की सहायता ले सकती हैं।

भोपाल के युवक ने गोवा में किया वृद्ध का मर्डर, नवी मुंबई में हुआ प्रेमिका के साथ गिरफ्तार

नवी मुंबई। नवी मुंबई पुलिस ने गोवा में हुई हत्या और डकैती की वारदात का खुलासा करने में सफलता हासिल की है. दरअसल नवी मुंबई क्राइम ब्रांच ने बिना नंबर प्लेट की एक संदिग्ध कार को रोका और उसमें सवार युवक और युवती को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि उक्त कार चोरी की है और उन्होंने एक शख्स की हत्या करने की बात कबूल की। आरोपियों के नाम जितेंद्र साहू और राहुजा है और उन्होंने गोवा के पोरवेरिम पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर एक विला में एक वरिष्ठ नागरिक निम्स बादल की हत्या कर वहां से भाग गए थे। निम्स से उनका परिचय सोशल मीडिया के जरिए हुआ था। इस दौरान निम्स से उन्हें गोवा आने का निमंत्रण मिला. वे लोग गोवा गए और रात के समय आरोपियों ने निम्स की हत्या कर उनके गहने और कार लेकर भाग गए। आरोपी युवक का कहना है कि निम्स ने राहुजा के साथ दुराचार किया जिसके बाद उसने उसकी हत्या कर दी। बहरहाल गोवा में 77 वर्षीय निम्स की हत्या करने और उसके आभूषण, मोबाइल फोन और उसकी महंगी कार लेकर भागने की कोशिश करने वाली 22 वर्षीय लड़की और तीनों में से एक को नवी मुंबई पुलिस की अपराध शाखा इकाई ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में तीसरा आरोपी फरार है और गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से पुलिस ने कार समेत चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोवा निवासी निम्स बादल की हत्या मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी जीतेंद्र साहू (32) और उसकी 22 वर्षीय प्रेमिका राहुजा ने अपने साथी कुणाल के साथ मिलकर की थी। दोनों निम्स बादल की कार, आभूषण और मोबाइल फोन लेकर भाग गए। कुणाल अकेला भगोड़ा था. किसी को शक न हो इसलिए जितेंद्र ने कार से नंबर प्लेट हटा दी थी। इसलिए गोवा पुलिस की ओर से नवी मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच को यह जानकारी दी गई कि यह कार गोवा से चोरी हुई है. इसके मुताबिक पुलिस टीम ने पाली थाना पुलिस की मदद से जितेंद्र और उसकी प्रेमिका को कार समेत गिरफ्तार कर लिया जिसके बाद गोवा में हुई हत्या के घटनाक्रम का खुलासा हुआ. नवी मुंबई पुलिस द्वारा इसकी जानकारी गोवा पुलिस को दे दी गई है. दोनों को गिरफ्तार करने के लिए गोवा पुलिस की एक टीम नवी मुंबई आ रही है.

हरियाणा में निजी कोचिंग संस्थानों को लेकर सरकार ला रही है कानून

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार निजी कोचिंग संस्थानों के कामकाज को विनियमित करने, भ्रामक विज्ञापनों और छात्रों के बीच बढ़ते तनाव जैसे मुद्दों के समाधान के लिए एक कानून बनाने की तैयारी में है। राज्य सरकार ने पिछले महीने हरियाणा कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2024 का एक मसौदा सार्वजनिक पटल पर रखा था तथा इस संबंध में हितधारकों और जनता से प्रतिक्रिया मांगी थी। सूत्रों ने बताया कि विधेयक को 20 फरवरी से शुरू होने वाले आगामी बजट सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। विधेयक में निजी कोचिंग संस्थानों के नियंत्रण और विनियमन के साथ उन्हें पंजीकृत करने एवं विनियमित करने का प्रावधान है। इसके साथ ही कोचिंग संस्थानों की अध्ययन सामग्री की लागत तथा अन्य शुल्कों की निगरानी का भी प्रावधान है। विधेयक के मसौदे में छात्रों और उनके अभिभावकों के हितों का ध्यान रखने, कोचिंग संस्थानों में नामांकित छात्रों के बीच तनाव को कम करने और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में बेहतर शैक्षणिक सहायता प्रदान करने का भी प्रावधान है। इसमें छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर नियम बनाए गए हैं और नियमों के तोड़े जाने पर कोचिंग संस्थानों पर जुर्माने का भी प्रावधान है।

अग्निवीर वायु भर्ती के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। इंडियन एयरफोर्स ने अग्निवीर वायु भर्ती लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया है। एआईएफ की ओर से जारी लेटेस्ट अपडेट के अनुसार, अग्निवीर वायु (01/2025) वैकेंसी के लिए अब कैंडिडेट्स 11 फरवरी, 2024 तक अप्लाई कर सकते हैं। इससे पहले, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि आज यानी कि 6 फरवरी, 2024 निर्धारित की गई थी लेकिन अब लास्ट डेट आगे बढ़ाकर 11 फरवरी कर दी गई है।

भारत की तरफ आंख उठाने वाले को मुंहतोड़ जवाब मिलेगा : राजनाथ सिंह

-राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद देश की सुरक्षा को लेकर रक्षा मंत्री ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब कमजोर नहीं, बल्कि ताकतवर बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की टिप्पणी के बाद सदन में यह बयान दिया है। बता दें ?कि चर्चा में भाग लेते हुए चौधरी ने कहा कि अभिभाषण में देश की सुरक्षा का कोई उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने सवाल किया कि लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पूर्व की यथास्थिति की बहाली का क्या हुआ? कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख तक हाल बुरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में चीन से संबंधित नीति लगातार विफल रही है। इस पर हस्तक्षेप करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संदर्भ में चौधरी ने जो भी कुछ कहा है कि वह उससे असहमति व्यक्त करते हैं। सिंह ने कहा, ''मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत अब कमजोर भारत नहीं है। भारत अब ताकतवर भारत बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। संसद के पटल पर देश को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए।''

सिंह ने कहा, ''अगर कांग्रेस की सरकार भी होती तो हमारी पार्टी देश के मान-सम्मान के साथ खड़ी रही है और खड़ी रहती।' उन्होंने कहा कि वह चौधरी की इस बात की निंदा करते हैं। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजीजू ने चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा, 'चीन ने जितनी भूमि पर कब्जा किया है, वो कांग्रेस के शासन के समय किया है। मोदी जी के शासनकाल में एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं हुआ है।'' उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान, चीन और कांग्रेस की एक जैसी हो गई है।

मौलाना सलमान के खिलाफ एक और केस दर्ज, 30 जनवरी को कच्छ में दिया था भड़काऊ बयान

कच्छ। मुंबई के मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी के खिलाफ गुजरात में एक और कच्छ दर्ज किया गया है। 31 जनवरी को सौराष्ट्र के जूनागढ़ में भड़काऊ भाषणबाजी के मामले में गुजरात एटीएस ने मौलाना मुफ्ती सलमान को मुंबई के घाटकोपर से गिरफ्तार किया था। आज कच्छ में मौलाना के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मौलाना ने 30 जनवरी को कच्छ में भी ऐसी ही भड़काऊ भाषणबाजी की थी, जिससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता था। दरअसल 31 जनवरी को जूनागढ़ में मुस्लिम समुदाय का एक धार्मिक सम्मेलन हुआ था। नशामुक्ति जागृति के नाम पर प्रशासन से मंजूरी मांगी गई थी। लेकिन इस सम्मेलन में मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी ने ऐसी बयानबाजी की जिससे दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैले। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद जूनागढ़ की पुलिस ने स्वयं शिकायतकर्ता बनकर मौलाना मुफ्ती सलमान के खिलाफ केस दर्ज किया था। मौलाना को गिरफ्तार करने गुजरात एटीएस और जूनागढ़ पुलिस 4 फरवरी को मुंबई पहुंच गई। मुंबई के घाटकोपर से मौलाना को गिरफ्तार कर बीते दिन अहमदाबाद और बाद में उसे जूनागढ़ ले जाया गया। कानून के शिकंजे में फंसे मौलाना की मुश्किलें उस समय और बढ़ गईं, जब उसके खिलाफ कच्छ में एक और मामला दर्ज किया गया। 30 जनवरी को मौलाना मुफ्ती सलमान ने कच्छ में भड़काऊ बयानबाजी की थी। कच्छ के सामखियाली में गुलशने मामदी ट्रस्ट द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

हमने अपने नेता से मांग रखी है, अब देना ना देना उनके ऊपर : मांझी

-पूर्व सीएम बेटे को दिए विभाग से नाखुश, रोटी और पेट की बात से बढ़ा दी टेंशन

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि हमने अपने नेता से बड़ा विभाग देने की मांग रखी है, अब देना ना देना उनके ऊपर है। मांझी अपने बेटे सुमन को दिए गए विभाग से नाखुश हैं और उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से विभाग बदलने की मांग की है। इससे उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके बेटे संतोष कुमार सुमन को दिए गए मंत्री पद से वह जरा भी खुश नहीं हैं। ऐसे में उनकी मांग है कि उन्हें दूसरा कोई विभाग का मंत्री पद मिलना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर सरकार में दो मंत्री पद की मांग की और उदाहरण देते हुए मनचाहा विभाग के बारे में भी इशारा किया। मांझी ने कहा कि हम सड़क भी बनवा सकते हैं और हम नाली भी बनवा सकते हैं। हम हर वह काम कर सकते हैं जो कोई और कर सकता है। दरअसल उनका इशारा पथ निर्माण विभाग की ओर था। पूर्व सीएम मांझी ने कहा है कि ये घर की बात है, हमको एक रोटी से पेट नहीं भरता है, हम दो तीन रोटी की मांग करेंगे ही। हम अपने नेता से मांग कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने यह कहा है कि कम से कम दो रोटी दीजिए, क्योंकि हम गरीब की राजनीति करते हैं, इसलिए ऐसा विभाग मिले कि हम अपने ग्रामीण क्षेत्र में काम कर सकें। हमने अपने नेता के सामने यह मांग रखी है, अब देना ना देना उनके ऊपर है।

पूर्व सीएम मांझी ने यह भी कहा कि ये सोच लीजिए कि नहीं भी देंगे तो हम कोई अप्रिय बात नहीं कहेंगे। जहानाबाद में मीडिया से बात करते हुए मांझी ने कहा कि हमने स्पष्ट रूप से पहले भी कहा है कि जो विभाग मुझे मिलता आया है, वही विभाग मेरे बेटे को भी मिला है यह सही नहीं है। हम दो मंत्री पद की मांग कर रहे हैं। ऐसे में अपने घर में मांग नहीं रखेंगे तो और किनके सामने रखेंगे। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के 2 मंत्री की मांग पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, मैं गांव से आता हूं, शहर से मेरा कोई मतलब नहीं रहता है। मैं 43 साल से काम कर रहा हूं। लोगों को मुझसे उम्मीद रहती है कि कुछ काम मैं कर दूं। यदि मुझे कोई मंत्रालय मिल जाए तो और काम हो सकता है। हमेशा मैं एक ही विभाग देखता रहूं ये अच्छा नहीं लगता है।

मांझी ने कहा कि शायद जान बूझकर हमारे समाज को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ये कोई रंजिश नहीं है। इसके कारण समर्थन देने और लेने का कोई फर्क नहीं आता है। हम नीतीश जी और एनडीए के साथ हैं और रहेंगे। 12 फरवरी को जो फ्लोर टेस्ट होगा उसमें डट कर हम एनडीए का साथ देंगे। एनडीए की सरकार का विधानसभा में फ्लोर टेस्ट जो होना है, वह निश्चित रूप से सफल होगा, क्योंकि इसमें कहीं किसी को कोई किंतु परंतु का प्रश्न ही नहीं उठता है। बिहार में एनडीए की नई सरकार कायम रहेगी। बता दें कि बिहार की बदली राजनीति में जीतन राम मांझी बेहद अहम किरदार हैं। उनकी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के चार विधायकों पर महागठबंधन और एनडीए, दोनों की निगाह है।

सीएम धामी ने पेश किया यूसीसी विधेयक, जय श्री राम के लगाए नारे

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड विधानसभा में मंगलवार को सत्र के दूसरे दिन आज यूसीसी बिल पेश किया गया है। इस दौरान सरकार द्वारा लाया गया समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में पेश हो गया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी के द्वारा सदन में यूसीसी विधेयक को पेश करने के दौरान जय श्री राम के नारे भी लगे। हालांकि बाद में कार्रवाई स्थगित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा सत्र के दूसरे दिन आज सरकार समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में पेश कर दिया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भारतीय संविधान की एक प्रति के साथ देहरादून स्थित अपने आवास से रवाना हुए थे। उन्होंने सदन की कार्यवाही के दौरान यूसीसी विधेयक पेश किया। सीएम धामी द्वारा विधानसभा में समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक पेश करने के बाद राज्य विधानसभा के अंदर विधायकों द्वारा वंदे मातरम और जय श्री राम के नारे लगाए गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही आज दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

समान नागरिक संहिता के प्रमुख बिंदुओं में तलाक के लिए सभी धर्मों का एक कानून होगा। तलाक के बाद भरण पोषण का नियम एक होगा। गोद लेने के लिए सभी धर्मों का एक कानून होगा। संपत्ति बटवारे में लड़की का समान हक सभी धर्मों में लागू होगा। अन्य धर्म या जाति में विवाह करने पर भी लड़की के अधिकारों का हनन नहीं होगा। सभी धर्मों में विवाह की आयु लड़की के लिए 18 वर्ष अनिवार्य होगी। लिव इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण जरूरी होगा। प्रदेश की जनजातियां इस कानून से बाहर होंगी तथा एक पति पत्नी का नियम सब पर लागू होगा, बहुपत्नी प्रथा समाप्त होगी, शामिल किए गए हैं।

नीतीश के बाद उद्धव के सुर भी बदले, मोदी की तारीफ से बढ़ी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने के बाद अब महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के एनडीए में जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि सावंतवाड़ी में जनसभा के दौरान उद्धव ने पीएम मोदी की जमकर तारीफ कर डाली, बस इसी बात से कयास लगाए जा रहे हैं कि उद्धव ठाकरे भी एनडीए में जाने वाले हैं। हालांकि लोकसभा चुनाव में अब बस कुछ ही महीनों का वक्त बचा है। ऐसे में चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही राजनीति सरगर्मियां तेज होती दिख रही है। इस बीच महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के सुर भी बदलते दिख रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कभी प्रधानमंत्री के दुश्मन नहीं थे और न ही हैं। उद्धव ठाकरे के इस बयान के बाद चर्चा है कि महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अब शायद महाराष्ट्र में भी इंडी गठबंधन में फूट डलने वाली है।

बता दें कि उद्धव ठाकरे ने यहां महाराष्ट्र के सावंतवाड़ी में 4 फरवरी को एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उद्धव ठाकरे ने कहा, 'हम पहले भी कभी पीएम मोदी के दुश्मन नहीं थे और आज भी उनके दुश्मन नहीं हैं। पीएम मोदी ही वह व्यक्ति थे, जिन्होंने शिवसेना के साथ संबंध जोड़ने का फैसला किया था। हम आपके साथ थे। शिवसेना आपके साथ थी, लेकिन बाद में आपने हमें खुद से दूर कर दिया। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमारा हिंदुत्व और भगवा ध्वज आज भी कायम है, लेकिन बीजेपी आज उस भगवा ध्वज को फाड़ने की कोशिश कर रही है। पीएम मोदी के पक्ष में उद्धव ठाकरे के इस बयान पर राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा, 'ऐसा नहीं लगता कि वह ऐसा कुछ करेंगे। इसे तूल देना उचित नहीं होगा, ठाकरे एक स्वाभिमानी नेता हैं, वह ऐसा कुछ नहीं करने वाले हैं।

तीन मंदिर मांगने पर भड़के ओवैसी बोले अब धोखा नहीं खाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज ने इस देश के मुसलमानों से सिर्फ तीन मंदिर मांगे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि हमें दे दें तो दूसरी मस्जिदों की तरफ हम नहीं देखेंगे। महाराज के इस बयान पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बहुत बुरी तरह भड़क गए हैं। उन्होंने कहा है कि यह तो सीधा-सीधा ब्लैकमेल है। वे मुस्लिम समुदाय को खुले तौर पर धमकी दे रहे हैं। यह एक तरह से ब्लैकमेल है कि हमें जो चाहिए, वह नहीं दिया गया तो हम वही करेंगे जो छह दिसंबर 1992 को किया था। यह हिंसा का आह्वान है। यह पूछने पर कि यह धमकी कैसे हुई? हिंदू पक्ष शांतिपूर्ण ढंग से ये बात कर रहा है कि ये तीनों जगह हमें सौंप दी जाए। इस पर ओवैसी ने कहा कि ये लोग झूठे हैं। झूठ बोलना इनकी फितरत में है। इन्होंने पहले भी ऐसा किया था। ये लोग कौन होते हैं, मांग करने वाले। यह हिंदुत्व और बहुसंख्यकवाद की राजनीति है।

ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद टाइटल सूट फैसले ने ज्ञानवापी पर आए कोर्ट के फैसले की नींव रखी। अगर आपने ज्ञानवापी को लेकर 31 जनवरी का वाराणसी कोर्ट का फैसला पढ़ा है तो आपने गौर किया होगा कि फैसला सुनाने वाले जज उसी दिन जज रिटायर हो गए थे। उन्होंने बिना तर्क के यह फैसला सुनाया. उन्होंने बिना कारण बताए फैसला सुना दिया. यह फैसला पूरी तरह से गलत है। ज्ञानवापी मामले पर फैसला गलत फैसला है। बाबरी मस्जिद मामले में खुदाई की गई थी लेकिन ज्ञानवापी मामले में सर्वे किया गया.खुदाई और सर्वे में अंतर होता है। खुदाई रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में मान्य नहीं माना गया और अदालत ने साफतौर पर कहा था कि अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए किसी मंदिर को ध्वस्त नहीं किया गया। ज्ञानवापी मामले में आप कह रहे हैं कि सर्वे किया गया। सर्वे और खुदाई में अंतर होता है. हमने यह साफ किया है कि ज्ञानवापी मस्जिद निर्माण के लिए किसी मंदिर को ध्वस्त नहीं किया गया। हम सर्वे रिपोर्ट को कोर्ट में चुनौती देंगे। ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद मामले में हमसे कहा गया कि आप तो यहां नमाज भी नहीं पढ़ते हैं तो कैसे अधिकार मिलेगा? लेकिन ज्ञानवापी मामले में तो मुस्लिम लगातार वहां नमाज पढ़ते आ रेह हैं। 1993 से वहां कोई पूजा नहीं हुई। तो यह एक तरह से दोयम नजरिया हुआ। अगर हम कल राष्ट्रपति भवन की खुदाई करना शुरू कर दें तो हमें वहां भी कुछ न कुछ मिल जाएगा। तो क्या हम उसके आधार पर वहां अपना दावा कर दें? ओवैसी ने राजदीप सरदेसाई के साथ इंटरव्यू में कहा कि हमारे साथ एक बार धोखा हो चुका है, हम दोबारा अपने साथ धोखा नहीं होने देंगे। अगर एक पक्ष छह दिसंबर को दोहराना चाहता है तो हम देखेंगे। हमारा कानून में विश्वास है. हम कानूनी रास्ता अख्तियार करेंगे। लेकिन यह साफ है कि हम अब देश में किसी भी मस्जिद पर अपना दावा नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि संविधान के आर्टिकल 32 का पालन होना चाहिए। जहां तक इस मुल्क के मुस्लिमों का सवाल है, हमारा इस देश के प्रधानमंत्री पर कोई भरोसा नहीं रहा। क्योंकि प्रधानमंत्री एक खास विचारधारा के आधार पर अपना संवैधानिक कर्तव्य निभा रहे हैं, जो हमें कतई मंजूर नहीं है।

अजित का चाचा शरद पवार पर तंज, शरद गुट का बयान शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दी

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि ''आखिरी चुनाव को लेकर भावनात्मक अपील'' के बारे में उनके बयान की गलत व्याख्या की गई। इस बयान पर राकांपा के शरद पवार गुट ने नाराजगी जाहिर की थी। बारामती में सभा को संबोधित कर उप मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता कि कुछ लोग कब रुकने वाले हैं। हो सकता है कि कोई भावनात्मक अपील हो कि ये आखिरी चुनाव होगा। पता नहीं कौन सा आखिरी चुनाव होगा। उनकी टिप्पणी को 83 वर्षीय शरद पवार पर तंज के रूप में देखा गया। पलटवार कर शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र अव्हाड ने दावा किया था कि अजित ने अपनी टिप्पणियों से ''शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दी हैं। अव्हाड ने कहा, अजित को अपनी अमानवीय टिप्पणियों के बारे में अवश्य सोचना चाहिए जिसमें उन्होंने कथित तौर पर शरद पवार की मृत्यु के लिए प्रार्थना की थी। महाराष्ट्र अब जानता है कि अजित पवार किस तरह के आदमी हैं।

जब आडवाणी के सामने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मुशर्रफ के चेहरे का उड़ा रंग

-दाऊद के सवाल पर उड़ गई हवाईयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी ने ना केवल भाजपा को आगे बढ़ाने के लिए बड़ी भूमिका निभाई बल्कि केंद्र सरकार के प्रतिष्ठित पदों पर रहकर देश को आगे बढ़ाने में उनका बड़ा योगदान रहा है। आडवाणी की पहचान उनकी साफ जुबानी के लिए भी है। एक बार आडवाणी के सीधे सवाल से पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ भी सकते में आ गए। वह किसी तरह गोलमोल जवाब देकर झूठ बोल गए लेकिन बाद में उनके ही एक अधिकारी ने बता दिया कि वह झूठ बोल रहे थे।

बात 2001 की है जब दोनों देशों के बीच शांति समझौते के लिए जनरल मुशर्रफ आगरा कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए आए थे। तब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी चाहते थे कि तनाव कम हो और शांति का कोई रास्ता निकले। हालांकि पाकिस्तान हमेशा ही आंतक का समर्थक रहा हैं। इसकारण आगरा कॉन्फ्रेंस भी सफल साबित नहीं हो पाई थी। साल 2011 में आडवाणी ने अपने एक ब्लॉग में बताया था कि कैसे उनकी एक बात से ही मुशर्रफ का चेहरा लाल पड़ गया और जुबान सूख गई। दरअसल आडवाणी ने मुशर्रफ से सीधे आतंकियों पर सवाल पूछकर दाऊद इब्राहिम को सौंपने की बात कही थी। यह चर्चा राष्ट्रपति भवन में हुई थी। तब आडवाणी गृह मंत्री थे। उन्होंने ओसामा बिन लादेन को भी लेकर सवाल किया था। हालांकि मुशर्रफ ने तुरंत कहा कि दाऊद और ओसामा उनके देश में नहीं हैं। बाद में ओसामा को पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका द्वारा मारा गया। वहीं मुशर्रफ के एक अधिकारी ने ही उनकी पोल खोल दी।

पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा था कि मुशर्रफ सफेद झूठ बोल रहे थे। आडवाणी ने बताया था कि वह अधिकारी भी मीटिंग में मौजूद था। वह मुशर्रफ के सामने चुप रहा लेकिन बाद में सच बता दिया। आडवाणी ने कहा था कि मुशर्रफ का रवैया प्रत्यर्पण संधि को लेकर सकारात्मक नजर आ रहा था। आडवाणी ने मुशर्रफ से कहा आप अगर शांति के लिए एक बड़ा योगदान देना चाहते हैं, तब दाऊद को भारत को सौंप दीजिए। बताया जाता है कि दाऊद अब भी कराची में रहता है। 1993 के सीरियल ब्लास्ट मामले में वह मोस्ट वॉन्टेड है। बीते साल अमेरिका ने दाऊद इब्राहिम को वैश्विक आतंकी घोषित कर दिया। 2022 में यही सवाल पाकिस्तान फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के चीफ रहे मोहसिन बट के सामने भी रखा गया था। हालांकि उन्होंने चुप्पी साध ली।

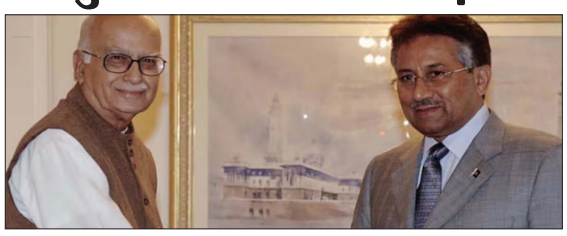

कैलिफोर्निया में भीषण तूफान ने मचाई तबाही, भूस्खलन से जनजीवन हुआ प्रभावित

लॉस एंजेल्स। कैलिफोर्निया और दक्षिण-पश्चिमी एरिजोना के कुछ हिस्सों में बाढ़ और तेज हवा की वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस क्षेत्र में लगभग 3 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। इस क्षेत्र में बाढ़, तेज़ हवा और शीतकालीन तूफान की स्थिति को देखते हुए लोगों को अलर्ट मैसेज दिए गए हैं। अधिकारियों ने निवासियों से बाहर जाने और ड्राइविंग को जितना हो सके सीमित करने का आग्रह किया था राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार, रविवार से पूरे लॉस एंजिल्स में 10 इंच (25.4 सेमी) से अधिक बारिश हुई है। यह क्षेत्र, देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, इस क्षेत्र में पूरे सप्ताह बारिश जारी रहने का अनुमान है। एनडब्ल्यूएस द्वारा पोस्ट किए गए एक ऑनलाइन नोटिस के अनुसार, महत्वपूर्ण बाढ़ जारी है और इसके बढ़ने की आशंका है। कैलिफोर्निया में समुद्री तूफान की वजह से राज्य में भारी बारिश और तेज हवाओं का असर देखा गया। तेज और तूफानी बारिश की वजह से राज्य में बहुत नुकसान हुआ। एक सप्ताह से भी कम समय में पश्चिमी तट को अपनी चपेट में लेने वाला दूसरा पाइनएप्पल एक्सप्रेस तूफान सोमवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया में पहुंच गया। कैलिफोर्निया में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। समुद्री तूफान की वजह से राज्य में भारी बारिश और तेज हवाओं का असर देखा गया। तेज और तूफ़ानी बारिश की वजह से राज्य में बहुत नुकसान हुआ। एक सप्ताह से भी कम समय में पश्चिमी तट को अपनी चपेट में लेने वाला दूसरा पाइनएप्पल एक्सप्रेस तूफान सोमवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया में पहुंच गया। इस तूफान की वजह से पूरे क्षेत्र में मूसलाधार बारिश हुई जिससे सड़कों पर बाढ़ आ गई और भूस्खलन हुआ। कुछ दिन पहले दक्षिणी कैलिफोर्निया में वायुमंडलीय नदी के कारण मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए और इसके बाद अब पाइनएप्पल एक्सप्रेस तूफान ने राज्य में तबाही मचा रखी है।

नीलामी में एक नींबू बिक गया डेढ लाख में -इंग्लैंड में हुई ये नीलामी चर्चा में

लंदन। नीलामी में कई बार कुछ ऐसी पुरानी चीज़ें लाखों में बिक जाती हैं, जिनसे कोई उम्मीद ही नहीं होती। इग्लेंड में एक ऐसा ही नींबू डेढ़ लाख रुपये में बिक गया है। आप सोच रहे होंगे कि नींबू ज़रूर कुछ खास रहा होगा, जो उसकी कीमत इतनी ज्यादा लगी। ये आम नींबू था, लेकिन नीलामी में इसकी कीमत डेढ़ लाख रुपये लग गई। इंग्लैंड में हुई ये नीलामी चर्चा में है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां पर एक 285 साल से रखा हुआ पुराना और सूखा हुआ नींबू 1 लाख रुपये से ज्यादा कीमत में नीलाम हुआ। नींबू लगभग 2 इंच का है और घर की सफाई के दौरान यहां अलमारी में पाया गया था। ब्रेटेल्स में हुई इस नीलामी के दौरान बताया गया कि ये एक शख्स को अपने चाचा की 19वीं सदी की एक छोटी अलमारी में रखा मिला। जब नीलामी करने वाला अलमारी की तस्वीर खींच रहा था, तभी उसकी नज़र 285 साल पुराना ये नींबू मिला। नींबू काला पड़ चुका था। नींबू पर खास मैसेज भी लिखा है - 'मिस्टर पी लू फ्रैंचिनी द्वारा 4 नवंबर, 1739 को मिस ई बैक्सटर को दिया गया'। माना जा रहा है कि ये नींबू भारत से इंग्लैंड एक रोमांटिक गिफ्ट के तौर पर लाया गया होगा। जब नींबू नीलामी के लिए रखा गया, तो अनुमान लगाया गया था कि इसकी कीमत 4200 रुपये से लेकर 6000 रुपये तक हो सकती है। हालांकि जब नीलामी शुरू हुई तो नींबू 1.47 लाख में बिका, जबकि अलमारी सिर्फ 3360 रुपये में। अक्सर देखा जाता है कि जो चीज़ें बिल्कुल बेकार लगती हैं, वो नीलामी में कीमती निकल जाती हैं। देखने में ये चीज़ें भले ही आम या कबाड़ लगती हों, इनकी कीमत आपको हैरत में डाल देगी।

चुनाव में लाभ लेने अमेरिकी राष्ट्रपति ने किए इराक और सीरिया में सैन्य हमले

मास्को। रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पर अपने राष्ट्रपति चुनाव अभियान को बढ़ाने के लिए इराक और सीरिया में सैन्य हमले करने का आरोप लगाया है। सुरक्षा परिषद की बैठक में रूस के संयुक्त राष्ट्र राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि बाइडेन द्वारा मध्य पूर्व में संघर्ष में शामिल होने की मंजूरी जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए घातक हमले के जवाब में नहीं बल्कि अपनी छवि को बढ़ावा देने का प्रयास है। नेबेंजिया ने कहा कि जॉर्डन ड्रोन हमलों के बाद अमेरिका ने पिछले हफ्ते ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) और संबद्ध समूहों से जुड़े दर्जनों ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जिसके लिए वाशिंगटन ने ईरानी समर्थित मिलिशिया को जिम्मेदार ठहराया था। 2003 के बाद से क्षेत्र में अमेरिका का सबसे बड़ा ऑपरेशन जो बाइडेन द्वारा सीरिया में अवैध रूप से स्थित अमेरिकी बेस पर अपुष्ट मूल के यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) के उपयोग के हमले के प्रतिशोध के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसका कोई औचित्य नहीं है। अमेरिका में इस साल नवंबर में चुनाव होने और पूरी संभावना है कि बाइडेन का मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा। ट्रंप की वापसी की तैयारी के बीच हाल के महीनों में बाइडेन की अनुमोदन रेटिंग में गिरावट आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य पूर्व में मौजूदा तनाव को अगर अच्छी तरह से खेला जाए, तब प्रतिस्पर्धा को बराबरी पर लाने के लिए बाइडेन को आवश्यक प्रोत्साहन मिल सकता है।

भारत और अमेरिका के संबंध अब रोटी की तरह सपाट नहीं पूरी की तरह फूल चुके

वाशिंगटन। अमेरिकी ऊर्जा संसाधन राज्य सचिव जेफ्री आर पायट ने भारत और अमेरिका के बीच विकसित हो रहे व्यापार संबंधों का वर्णन कर एक अद्वितीय पाक रूपक का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध अब चपाती की तरह सपाट नहीं रहे, बल्कि विस्तारित होकर पूरी की तरह बड़े और फूले हुए हो गए हैं। पायट ने आज कोई भी अपने व्यापारिक रिश्ते को चपाती जितना सपाट नहीं बताता। यह पूड़ी की तरह बड़ा और फूला हुआ हो चुका है। मुझे लगता है कि हम वर्तमान में भारत के साथ किसी भी प्रकार के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत में शामिल नहीं हैं, लेकिन हमारे व्यापार संबंधों को और गहरा करने के तरीके के बारे में हमारे बीच चल रही और महत्वपूर्ण बातचीत चल रही है। अमेरिकी अधिकारी की टिप्पणियाँ भारत-अमेरिका व्यापार साझेदारी की गतिशील प्रकृति को दर्शाती हैं, जिसमें अमेरिका से भारत में माल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है, जो 2022 में 47.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है।

जाम्बिया में हैजा के प्रकोप, 600 लोगों की गई जान

जाम्बिया। जाम्बिया में हैजा के प्रकोप को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, इससे कई लोगों की जान जा चुकी है। भारत ने दक्षिणी अफ्रीकी देश में मानवीय सहायता भेजी है। लगभग 3.5 टन वजनी इस सहायता में जल शुद्धिकरण आपूर्ति, क्लोरीन की गोलियाँ और ओआरएस पाउच के रूप में जलयोजन शामिल है। जाम्बिया अपने इतिहास में सबसे खराब स्वास्थ्य संकटों में से एक का सामना कर रहा है, अक्टूबर 2023 से हैजा से लगभग 600 लोग मारे गए और 15,000 से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। जाम्बिया के 10 प्रांतों में से नौ में हैजा के मामले सामने आए हैं, हालांकि इनमें से अधिकांश मामले लुसाका में हैं, जो लगभग 30 लाख लोगों का शहर है, जहां अधिकारियों ने नेशनल हीरोज स्टेडियम के बाहर एक अस्थायी उपचार केंद्र स्थापित किया है। सरकार ने एक सामूहिक टीकाकरण कार्यक्रम भी शुरू किया है और अधिकारी जाम्बिया में प्रभावित समुदायों को प्रतिदिन 2.4 मिलियन लीटर स्वच्छ पानी उपलब्ध करा रहे हैं। उल्लेखनीय रूप से, तीन महीने के प्रकोप में लगभग 4 प्रतिशत की मृत्यु दर सामान्य से काफी ऊपर है। जाम्बिया के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, नवीनतम प्रकोप में आधे से अधिक पीड़ितों की स्वास्थ्य सुविधा में भर्ती होने से पहले ही मृत्यु हो गई।

पाकिस्तानी नौसेना ने समुद्र में फंसे नौ भारतीय नागरिकों की मदद की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने कहा है कि उसके नौसेना के अधिकारियों और समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने अरब सागर में फंसे नौ भारतीय नागरिकों को समय पर मदद कर बचाया है। पाकिस्तानी सेना द्वारा जारी बयान में कहा गया कि भारतीय जहाज 'सैस फाइव' से प्राप्त संकट की स्थिति की सूचना के बाद संयुक्त खोज और बचाव अभियान शुरू किया था। जहाज तकनीकी समस्या के कारण भटक गया था। यह जहाज चार फरवरी को भारत के दाभोल बंदरगाह से शारजाह के लिए रवाना हुआ था।

चीन में ईस्ट रेलवे स्टेशन इलाके में ट्रैक से बर्फ हटाते हुए कर्मचारी।

बिना सबूत निज्जर हत्याकांड की जांच में भारत नहीं करेगा सहयोग

ओटावा। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में भारत बिना सबूत के कोई सहयोग नहीं करेगा। भारत के उच्चायुक्त ने कहा कि इससे संबंधित कनाडा की जांच में भारत तब तक सहयोग नहीं करेगा जब तक कनाडाई एजेंसी हत्याकांड से जुड़े साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराएगी। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने एक समाचार पत्र को दिए इंटरव्यू में कहा कि हमें मामले से जुड़े विश्वसनीय साक्ष्य चाहिए, इसी के बाद हम किसी तरह की जांच में सहयोग कर पाएंगे। वर्मा ने यह भी कहा कि हमारी यह अपेक्षा जायज है और उसी के बाद हम किसी व्यक्ति को उस पर लगे आरोप के बारे में बताकर जांच में सहयोग कर पाएंगे। अगर हमसे साक्ष्य साझा नहीं किए जाएंगे तो हमें कनाडा के अधिकारियों का सहयोग करने में कठिनाई होगी। यहां गौरतलब है कि निज्जर की जून 2023 में कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने साक्ष्य साझा किए बगैर हत्या में भारतीय अधिकारियों के जुड़े होने का आरोप लगा दिया था। उसके बाद दोनों देशों के संबंधों में काफी तनाव आ गया और भारत ने लोगों को कनाडा का वीजा देने पर रोक लगा दी थी। साथ ही नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग में राजनयिकों की संख्या भी कम कर दी थी।

इस खतरनाक बीमारी के प्रकोप से जूझ रहा अफ्रीकी देश, 600 लोगों ने गंवाई जान, मदद को आगे आया भारत

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। जाम्बिया हैजा के प्रकोप को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसने पहले ही कई लोगों की जान ले ली है। भारत ने दक्षिणी अफ्रीकी देश में मानवीय सहायता भेजी है। लगभग 3.5 टन वजनी इस सहायता में जल शुद्धिकरण आपूर्ति, क्लोरीन की गोलियाँ और ओआरएस पाउच के रूप में जलयोजन शामिल है। बीबीसी के अनुसार, जाम्बिया अपने इतिहास में सबसे खराब स्वास्थ्य संकटों में से एक का सामना कर रहा है, अक्टूबर 2023 से हैजा से लगभग 600 लोग मारे गए और 15,000 से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं।

जाम्बिया के 10 प्रांतों में से नौ में हैजा के मामले सामने आए हैं, हालांकि इनमें से अधिकांश मामले लुसाका में हैं, जो लगभग 30 लाख लोगों का शहर है, जहां अधिकारियों ने नेशनल हीरोज स्टेडियम के बाहर एक अस्थायी उपचार केंद्र स्थापित किया है। सरकार ने एक सामूहिक टीकाकरण कार्यक्रम भी शुरू किया है और अधिकारी जाम्बिया में प्रभावित समुदायों को प्रतिदिन 2.4 मिलियन लीटर स्वच्छ पानी उपलब्ध करा रहे हैं। देशव्यापी जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया है. इस बिगड़ती स्थिति से निपटने के लिए देश को सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को जुटाना पड़ा। हालाँकि, स्वास्थ्य कर्मियों को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि भारी बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में भौतिक पहुंच और सुरक्षित पानी तक पहुंच बाधित हो रही है।

उल्लेखनीय रूप से, तीन महीने के प्रकोप में लगभग 4 प्रतिशत की मृत्यु दर सामान्य से काफी ऊपर है। जाम्बिया के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, नवीनतम प्रकोप में आधे से अधिक पीड़ितों की स्वास्थ्य सुविधा में भर्ती होने से पहले ही मृत्यु हो गई।

यमन में विदेश मंत्री अहमद अवद बिन मुबारक को बनाया नया प्रधानमंत्री

सना (एजेंसी)। यमन की राष्ट्रपति परिषद ने बड़ा उलटफेर करते हुए विदश मंत्री अहमद अवद बिन मुबारक को नया प्रधानमंत्री बना दिया है। माईन अब्दुलमलिक सईद राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष के सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। बिन मुबारक सऊदी अरब के करीबी माने जाते हैं। परिषद ने फेरबदल के पीछे का कारण नहीं बताया। बता दें कि यमन 2014 से गृह युद्ध में उलझा हुआ है। जब ईरान समर्थित विद्रोही हूती यमन में काफी प्रभावशाली है। यमन की राष्ट्रपति परिषद ने सोमवार को प्रधानमंत्री माईन अब्दुलमलिक सईद को बर्खास्त कर दिया। परिषद ने विदेश मंत्री अहमद अवद बिन मुबारक को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। इस समय अमेरिका का नेतृत्व वाला सैन्य गठबंधन यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बना रहा है। माईन अब्दुलमलिक सईद राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष के सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। बिन मुबारक, सऊदी अरब के करीबी माने जाते हैं। परिषद ने फेरबदल के पीछे का कारण नहीं बताया। बता दें कि यमन 2014 से गृह युद्ध में उलझा हुआ है। जब ईरान समर्थित विद्रोही हूती यमन में काफी प्रभावशाली है।

एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथी, संतानों को कार्य मंजूरी प्रदान करने वाला द्विदलीय समझौता पेश

वाशिंगटन। बाइडेन प्रशासन द्वारा एच-1बी वीजा धारकों को बड़ी राहत देकर व्हाइट हाउस समर्थित द्विदलीय समझौता पेश किया गया, जिसके तहत लगभग 100,000 एच-4 वीजा धारकों को स्वतः कार्य मंजूरी मिल जाएगी, जो कुछ श्रेणी के एच-1बी वीजा धारकों के जीवन साथी और संतान हैं। अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक नेतृत्व के बीच लंबी चर्चा के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा समझौता एच-1बी वीजा धारकों के लगभग 250,000 संतानों के लिए भी समाधान प्रदान करता है। यह कदम उन हजारों भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों के लिए अच्छी खबर है, जो ग्रीन कार्ड के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, जिसके अभाव में उनके पति या पत्नी काम नहीं कर सकते और उनकी संतानों को वापस उनके देश भेजने का खतरा है। यह अमेरिका में प्रवासियों को इसके सबूत के तौर पर जारी किया जाने वाला एक दस्तावेज है कि धारक को स्थायी रूप से रहने का अधिकार दे दिया गया है। ग्रीन कार्ड जारी करने की प्रति देश एक संख्यात्मक सीमा होती है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, बहुत लंबे समय से, दशकों से, प्रवासन प्रणाली टूट गई है। इस ठीक करने का समय आ गया है...यह हमारे देश को सुरक्षित बनाएगा, हमारी सीमा को और अधिक सुरक्षित बनाएगा, कानूनी आव्रजन को संरक्षित करते हुए एक राष्ट्र के रूप में हमारे मूल्यों के अनुरूप लोगों के साथ निष्पक्ष और मानवीय व्यवहार करेगा।''

गाजा में हो सकता है युद्धविराम, एंटनी ब्लिंकन के दौरे से बंधी उम्मीद

यरुशलम (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के दौरे से गाजा में युद्धविराम की उम्मीदें बंध गई हैं। बता दें कि ब्लिंकन के पश्चिम एशिया दौरे से फलस्तीनियों को उम्मीद है कि इससे गाजा में युद्धविराम के लिए रास्ता साफ होगा। ऐसे में गाजा का रफाह शरणार्थी क्षेत्र इजरायली सेना की कार्रवाई से बच जाएगा। मिस्त्र की सीमा के नजदीक रफाह वह शहर है जहां गाजा के अन्य शहरों से करीब दस लाख लोगों को शरण लेने के लिए भेजा गया है। लेकिन अब इजरायली सेना वहां पर हमास लड़ाकों के छिपे होने की बात कहकर जमीनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम एशिया में व्याप्त तनाव को कम करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन का दौरा शुरू हो चुका है और वह सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंच गए हैं।

ब्लिंकन की पहली कोशिश यह है कि वहां पर तनाव कम करके गाजा से इजरायली बंधकों की रिहाई की बात होगी जिससे वहां पर ज्यादा दिनों के युद्धविराम के लिए इजरायल को तैयार किया जा सके। बता दें कि हमास गाजा में स्थायी युद्धविराम चाहता है, इसलिए वह 130 इजरायली बंधकों की रिहाई को लटकाए हुए है। गौरतलब है कि इन बंधकों को उसके लड़ाकों ने सात अक्टूबर को इजरायली शहरों पर हमले के दौरान अगवा किया था। ब्लिंकन का ताजा दौरा गाजा युद्ध का असर लेबनान, इराक, सीरिया, यमन और लाल सागर तक पहुंचने के दौरान हो रहा है।

कारोबारी मस्क को लेकर चौंकाने वाले दावे, प्रतिबंधित ड्रग्स का सेवन कर रहे

-इसका सेवन कुछ टेस्ला कर्मचारियों ने किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क को लेकर कुछ काफी संवेदनशील दावे किए गए हैं, जो उनकी छवी को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। खबरें है कि मस्क ने ड्रग्स का सेवन किया हैं। ये वहां ड्रग्स है, जो प्रतिबंधित हैं। मस्क ने इसका सेवन अपने कुछ टेस्ला कर्मचारियों के साथ लिया हैं। रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला और स्पेसएक्स के कुछ सेवारत और पूर्व निदेशकों को मस्क के अवैध दवाओं के उपयोग के बारे में पता था। हालांकि बोर्ड के सदस्यों के बीच कुछ चिंता थी, फिर भी वे सार्वजनिक कार्रवाई करने या इस पर जांच शुरू करने में विफल रहे। रिपोर्ट में दावा किया गया है, एक महीने बाद अखबार ने खुलासा किया कि मस्क कई दवाओं का इस्तेमाल करते थे, जिसमें से कुछ अमेरिका में प्रतिबंधित दवाएं भी शामिल थीं।

रिपोर्ट में दावा है, कि मस्क और टेस्ला और स्पेसएक्स के कई निदेशकों के बीच पैसे के संबंध हैं। टेस्ला के बोर्ड में वर्तमान और पूर्व निदेशकों में से, मस्क ने उद्यम पूंजीपति एंटोनियो ग्रेसियस, इरा एहरनपेरिस, तकनीकी चुंबक लैरी एलिसन और पूर्व मीडिया कार्यकारी जेम्स मर्डोक से जुड़ी संस्थाओं में निवेश किया है, जिन्होंने मस्क और उनके से जुड़ी कंपनियों में निवेश किया है।

मस्क ने उसमें से कुछ को करियर सपोर्ट भी दिया है, जैसे स्टीव जुर्वेटसन, जिन्होंने यौन उत्पीड़न का आरोप लगने के बाद 2017 में अपनी फर्म डीएफजे वेंचर कैपिटल से इस्तीफा दे दिया था। आरोपों के बावजूद, टेस्ला ने उन्हें 2020 में इस्तीफा देने तक एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में बनाए रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टीव जुवर्टसन ने मस्क के साथ गहरे वित्तीय संबंध साझा किए और उनके साथ पार्टियों में भाग लिया जहां एक्स्टसी और एलएसडी का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने विवादों के बीच जुर्वेटसन को असामान्य छुट्टी लेने की अनुमति देने के लिए निर्देशकों पर दबाव भी डाला।

रिपोर्ट में बताया कि मस्क कोकीन, एक्स्टसी, एलएसडी और मैजिक मशरूम जैसी दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। अरबपति मनोरंजक उद्देश्यों के लिए केटामाइन का उपयोग कर रहा है, एक दवा जो उसने नुस्खे से प्राप्त की थी। एंटोनियो ग्रेसियस और स्टीव जुर्वेटसन ने भी उनके साथ ड्रग्स का सेवन किया था, यह प्रकाशन को लोगों से पता चला। रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क, अपने भाई और अपने करीबी लोगों के साथ, मैक्सिको के सैन जोस डेल काबो में स्थित होटल एल गैंजो में पार्टियों में भी शामिल होते हैं, रिपोर्ट में कहा गया है कि टेक बॉस ने 2022 के अंत में हॉलीवुड हिल्स में एक पार्टी में भी भाग लिया था, जहां उन्होंने पानी की बोतल से परमानंद के तरल रूप का सेवन किया। वहीं टेस्ला और स्पेसएक्स प्रमुख ने रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पिछले महीने पब्लिकेशन के आर्टिकल के बारे में बात करते हुए मस्क ने कहा था कि वह 2018 से ड्रग टेस्ट करा रहे हैं।

ऋषि सुनक और लियो वराडकर ने ऐतिहासिक समझौते के लिए मुलाकात की

लंदन। ब्रिटेन और आयरलैंड के भारतीय मूल के मंत्री ऋषि सुनक और लियो वराडकर ने उत्तरी आयरलैंड में एक ऐतिहासिक शक्ति-साझाकरण समझौते की देखरेख के लिए मुलाकात की, जहां दो साल के बाद एक विकसित सरकार ने कार्यभार संभाला। प्रधानमंत्री सुनक और ताओसीच वराडकर ने संसद भवन, स्टॉर्मोन्ट कैसल में मुलाकात की और उत्तरी आयरलैंड में हस्तांतरण को बहाल करने के प्रयासों की सराहना की। सुनक ने कहा कि अब काम पर जाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हमने बहुत कड़ी मेहनत की है और संघ में उत्तरी आयरलैंड के स्थान की रक्षा करने में सफल रहे हैं और यूके में व्यापार के सुचारू प्रवाह और ब्रेक्सिट के परिणामस्वरूप होने वाले सभी लाभों को सुनिश्चित करने के लिए विंडसर फ्रेमवर्क के साथ हमने जो हासिल किया है, उसे आगे बढ़ाया है। जहां साउथेम्प्टन में जन्मे सुनक की जड़ें पंजाब से जुड़ी हैं, वहीं डबलिन में जन्मे वराडकर की पारिवारिक जड़ें महाराष्ट्र में हैं। ब्रिटिश भारतीय और आयरिश भारतीय नेताओं के बीच ऐतिहासिक चर्चा के एक रीडआउट में, डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि सुनक ने छह देशों की प्रतियोगिता में फ्रांस के खिलाफ जोरदार जीत के लिए आयरलैंड रग्बी टीम को बधाई देकर शुरुआत की।

भारत से लेकर यूरोप तक क्यों सड़कों पर आए लाखों मुस्लिम, तुर्की के षड़यंत्र में कैसे फंसे सभी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अयोध्या में प्रभु राम के भव्य, दिव्य और नव्य मंदिर के निर्माण के साथ ही कई कट्टपंथियों ने जहर उगलना शुरू किया। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के वक्त से ही कई कट्टपंथी मौलाना सहित धर्म को आधार बनाकर सियासत करने वालों ने देश के मुसलमानों को ही भड़काना शुरू कर दिया। लेकिन फिर रही-सही कसर उत्तराखंड में यूसीसी पर लाए गए बिल ने पूरी कर दी है। भारत में आम मुस्लिमों को भड़काने के लिए कई लोगों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। कट्टपंथी मौलानाओं की बातों में आकर कई मुस्लिम सड़कों पर उतर आए हैं। लेकिन अब ये बवाल भारत ही नहीं यूरोप तक फैल गया है। यूरोप में भी अचानक नया बवाल शुरू हुआ है।

यूरोप में भी हजारों मुस्लिम प्रदर्शन कर रहे हैं। यूरोप में बसे हुए मुस्लिमों को तुर्की ने अब एक नया विक्टिम कार्ड पकड़ा दिया है। दरअसल, तुर्की ने एक बड़ा षड़यंत्र शुरू कर दिया है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन ने धार्मिक मामलों (डियानेट) अकादमी में स्नातक समारोह के दौरान शरिया कानून के आलोचकों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि शरिया कानून के खिलाफ दुश्मनी इस्लाम के खिलाफ दुश्मनी है। राष्ट्रपति ने नए धार्मिक अधिकारियों से समाज के सक्रिय सदस्य बनने का आग्रह किया। एर्दोआन ने कहा कि यदि आप इतिहास की किताबों को देखेंगे, तो आप देखेंगे कि तुर्क मुस्लिम के बराबर है। एर्दोआन ने जोर देकर कहा और दोनों के बीच कृत्रिम दीवारें बनाने की कोशिश करने वाली किसी भी धारणा की आलोचना की। उन्होंने आगे कहा, इस्लाम की पवित्र युद्ध भावना को शामिल किए बिना तुर्कीपन की परिभाषा तुर्की राष्ट्र को एक लोककथा में बदलने का एक प्रयास मात्र है।

यानी अब जो भी शरिया के कट्टर कानूनों के खिलाफ बोलेगा तो उसे इस्लाम विरोधी बता दिया जाएगा। एर्गोआन जो यूरोप में कर रहे हैं ठीक वही भारत और पाकिस्तान में बैठे कुछ कट्टर मौलाना भी कर रहे हैं। एर्दोआन दुनियाभर में डर की भावना पैदा करना चाहते हैं। एर्दोआन मुस्लिमों को शरिया के लिए सड़कों पर आने के लिए भड़का रहे हैं। आपको बता दें कि इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि डेनमार्क, फ्रांस, इटली, स्वीडन, नीदरलैंड जैसे देश खुलकर शरिया के खिलाफ बोल रहे हैं। नीदरलैंड ने तो शरिया और एर्दोआन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

संपादकीय

सच्चा जैनी कौन ?

वितराग भगवान के द्वारा प्रदत धर्म को मानने वाला जैनी होता है। इच्छा का परिमाण , भोग संग्रह का सीमाकरणं हो । हिंसा जन्य प्रसाधन सामग्री का अस्वीकरणं हो ।अर्जन के साथ विसर्जन हो यह अनासक्ति अलबेली हो ।जैनी जीवन शैली ,बनते -बनते बन जाए जन -जन की जीवन शैली । चारों तरफ खोज रहा खुशी वह तो भीतर में फंसी हैं ।हम बाहर क्यों करें समय की बर्बादी। ये विडम्बना गहरी है । जैन धर्म में विस्तार से कर्मो की वसीयत बतायी गयी है । हम उसमें मानें अपनी शख्सियत। इसका अंजाम यह होगा की हमे आत्म-काबलियत की पहचान होगी । आज इन्सानियत विडम्बना बनी हैं । क्या मानव की विडम्बना है । त्याग धर्म, भोग अधर्म यह वाणी केवल सुनी । परन्तु यह जीवन आचरण में नहीं उतरी हैं । त्यागी संतों की सेवा दर्शन करना चाहिये ।सिर्फ पैसों के पीछे नहीं भागना चाहिये । ऐसी विडम्बना से पूर्ण रास्ता में शान्ति से कैसे वास्ता हो सकता हैं । बड़ी विचित्र विडम्बना है ।सिर्फ और सिर्फ स्वार्थ से भरा जमाना है । मदद लेते वक्त गुणगान करते है काम हुआ फिर सहयोगी की न पहचान है और जाने-अनजाने कोई हो जाये अगर भूल तो ताने हम भरपूर देते हैं । जिन्दगी भर नही भूलते हम उन बातो को जो हमे बेवकूफ बना रहे है इससे बडी क्या विडम्बना है । अनमोल मानव जीवन को माटी के मोल में बेच रहे है । हम जैन धर्म को आचरण में लाए । कहते है की आदर उसी का होता है जिसमें कुछ योग्यता हो । जो मांसाहारी और शराबी हैं उनका तो कभी भी होगा तिरस्कार । चाहे स्वधर्मी हो चाहे विधर्मी स्वागत व सत्कार उनका कौन करे ? वे कैसे मानव के पर्व त्यौहार आदि जिसमें सिर्फ शराब का सेवन हो ?और होता हो साथ में मांसाहार! जरा सोच कर करो तो सही विचार ? हम जैनी है हमारे आचार वीचार भिन्न है । हम इससे अपना कभी भी सरोकार नहीं कर सकते है । वे अपना करें हम अपना करें इन सबसे हमको कोई सरोकार नहीं है । पर हम उनका अनुकरण अपनाये तो नहीं । जिससे हम जैनी होकर कह सकते है की हम किसी के साथ में अनुचित व्यवहार नहीं करते है । भगवान हम सबको सनमती दें की हम सबके साथ में करें उचित समुचित सद्व्यवहार । अनाचार न व्यभिचार आदि हमारे से न हो और समाचारी का ऐसा हमारे द्वारा पालन हो जिसमें अहिंसा का पालन हो । और न हो ऐसी हमारे द्वारा असुरीवृती जिससे की हिंसा को बढ़ावा मिले । न हो हमारे द्वारा कत्ल का घृणीत कारोबार । न बहे हमारे द्वारा खुनी नदियां । क्योंकि यह तो बिल्कुल भी समझ में नहीं आने वाला है जो की बदसलूकी भरा हिंसा का अबोध प्राणीयों से दुर्व्यवहार हो रहा है । चाहे बलीप्रथा हो कुर्बानी की करूण कथा आदि हमारे लिए सब निषेध है । क्योंकि सब जीव है कोई भी जीव मरना नहीं चाहता है । सहमती सहकार उसमें हम नहीं दे सकते है क्योंकि जैन धर्म के यह संस्कार नहीं है । हिंसा , ग़लत आचरण आदि से दूर रहे वही सच्चा जैनी है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

पूर्ण बजट में उभरेगी आर्थिकी की असली तस्वीर

मधुरेन्द्र सिन्हा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव के पहले अपना छठा बजट पेश किया जो सही मायनों में वोट ऑन अकाउंट था। दरअसल चुनाव के कारण परंपरागत रूप से कोई भी वित्त मंत्री पूर्ण बजट पेश नहीं करता और वोटरों को ललचाने वाले कदम नहीं उठाता। श्रीमती सीतारमण ने भी ऐसा ही किया। उन्होंने भी इस परंपरा का पालन किया और रेवड़ियां बांटने की कोई कोशिश नहीं की। इसमें उन्होंने अच्छी तरह से अर्थव्यवस्था की स्थिति की व्याख्या की। उन्होंने यह भी बताया किस तरह से सरकार ने राजकोषीय घाटे को मैनेज किया और उसे लक्ष्य से भी नीचे ही रखा। पहले लक्ष्य था कि राजकोषीय घाटा कुल जीडीपी का 5.9 फीसदी हो लेकिन सरकार के प्रयासों और टैक्स देने वालों की उदारता से राजकोषीय घाटा 5.8 फीसदी पर ही रहा। यहां पर उन करोड़ों टैक्स देने वालों का भी योगदान रहा जिनके टैक्स देने से प्रत्यक्ष कर वसूली लक्ष्य से कहीं ज्यादा रही और सरकार को अपना लक्ष्य पाने में मदद मिली। वित्त मंत्री के भाषण को सुनने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि सरकार इस समय आत्मविश्वास से भरी हुई है और उसे अगली लोकसभा भी दिख रही है। यहां पर यह कहना अनुचित नहीं होगा कि एनडीए सरकार वापसी की ओर देख रही है। अगर ऐसा नहीं होता तो वह इसी बजट में किसी न किसी तरह रेवड़ियां बांटती, टैक्स में छूट देती और कुछ अन्य सुविधाएं देती। लेकिन यहां पर हमने देखा कि वित्त मंत्री ने इन सभी से दूरी बनाए रखी और इस बात का पूरा ख्याल रखा कि वोट ऑन अकाउंट की परंपरा का पालन हो। यह इस बात को इंगित करता है कि वित्त मंत्री ने अपनी पार्टी के बारे में न सोचकर देश की अर्थव्यवस्था के बारे में सोचा। इस समय जबकि सभी अन्य पार्टियां राज्यों में चुनावों में किस तरह से रेवड़ियां बांट रही थीं और सरकारी खजाने को अपने निजी स्वार्थ के लिए निर्ममता के साथ लुटा रही थीं, श्रीमती निर्मला सीतारमण का यह व्यवहार प्रशंसनीय है। सभी पार्टियों को इसका अनुकरण करना चाहिए, चुनाव जीतने के लिए जनता की गाढ़ी कमाई से दिये गये टैक्स के पैसों को उड़ाना कहां तक उचित है? बहरहाल वित्त मंत्री ने एक बढ़िया परंपरा रखी है जिसका आगे भी पालन होना चाहिए। अब इस बजट पर चर्चा करने के लिए कुछ खास नहीं है। वित्त मंत्री ने टैक्स संबंधी पुराने अदालती मामलों को खत्म करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। देश में लाखों ऐसे टैक्स देने वाले हैं जो पुराने विवादों में फंसे हुए हैं यानी उनकी टैक्स देनदारी पर विवाद है। ऐसे मामलों को सदा के लिए खत्म करने के लिए वित्त मंत्री ने सरकारी लेनदारी को एक सीमा तक खत्म कर दिया है जिससे वे लोग आगे टैक्स दे सकेंगे। वर्षों से चल रहे ऐसे मामलों से छुटकारा पाकर सरकार ने टैक्स देने वालों को राहत दी है। एक छोटा सा कदम सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करके उठाया है। आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताएं ग्रामीण तथा आदिवासी भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की पहली सीढ़ी हैं। दूर-दराज के इलाकों तथा वन क्षेत्रों में इनकी उपस्थिति तथा काम के प्रति निष्ठा से ही स्वास्थ्य सेवाएं देना संभव हुआ है। कोविड काल में इन्होंने अपनी जान पर खेलकर टीकाकरण के काम में जो कुछ किया उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उनके लिए सरकार ने एक अच्छा कदम उठाया है। इससे उन्हें इसी तरह काम करते रहने की प्रेरणा मिलेगी। अब लोकसभा चुनाव की ओर सभी का ध्यान है। बस कुछ ही दिनों में निर्वाचन आयोग इसकी घोषणा करेगा और फिर राजनीतिक हलचल अपने चरम पर होगी। लेकिन यह सरकार कुछ ऐसा जता रही है मानो वह भविष्य के प्रति निश्चिंत है। यही कारण था कि वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स के यथावत रहने का भी संकेत दे दिया। उन्होंने टैक्स देने वालों को ललचाने की कोई कोशिश भी नहीं की। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि इनकम टैक्स की दरें पहले की ही तरह होंगी और उनमें बदलाव या छूट की कोई गुंजाइश नहीं है। लोकसभा चुनाव के सिर पर रहने के बावजूद इतना बड़ा कदम उठाना वाकई प्रशंसा का विषय है। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने में नई व्यवस्था के तहत सात लाख रुपये तक कमाने वालों पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। यह व्यवस्था पिछले साल भी थी। इसका मतलब हुआ कि अगला बजट पेश करने में अगर वह वित्त मंत्री रहीं तो इनकम टैक्स की दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। यहां पर एक बात उल्लेखनीय है कि भारत की अर्थव्यवस्था भले ही दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है, उसके पास अन्य पैसे वाले देशों की तुलना में टैक्स देने वाले बहुत ही कम हैं। यहां की कुल आबादी का दो प्रतिशत ही टैक्स देती है जिसमें बहुत बड़ी तादाद वेतनभोगियों की है जो इनकम टैक्स के जाल से बच नहीं पाते हैं। अच्छा होगा कि वित्त मंत्री अगले बजट में उन लोगों को टैक्स के जाल में लाने की कोशिश करें जो अच्छा कमा रहे हैं लेकिन टैक्स नहीं दे रहे हैं। यह कठिन कार्य है और इसमें उन कृषि उत्पादकों को भी लाना होगा जो बहुत अच्छी कमाई कर रहे हैं, सरकारी सुविधाओं, सब्सिडी का भी उपभोग करते हैं लेकिन टैक्स देने के नाम पर सरकार को आंख दिखा देते हैं। ऐसे कई और वर्ग हैं जिनकी सरकार को खोज करनी चाहिए और टैक्स का दायरा बढ़ाना चाहिए। इससे टैक्स वसूली बढ़ेगी और सरकार अन्य तरह की कल्याणकारी योजनाएं बना सकेगी तथा उन्हें कार्यान्वित कर सकेगी। अगला बजट जो जुलाई में आयेगा वह पूर्ण बजट होगा। अभी सरकारी आंकड़े अधूरे हैं और अनुमान से भरे हुए हैं। तब तक तस्वीर साफ हो जायेगी और सरकार के लिए बड़े फैसले लेना आसान होगा। वित्त मंत्री के तरकस में अभी टैक्स छूट के अलावा कई और तीर हैं जिससे जनता में खुशियां आ सकती हैं। वह चाहें तो 50,000 रुपये तक के स्टैंडर्ड डिडक्शन को बढ़ा सकती हैं, बीमा पर लगे टैक्स में कटौती कर सकती हैं, टैक्स रिटर्न देर से भरने वालों को राहत दे सकती हैं, सीनियर सिटीजन्स के ईपीएफ तथा एनपीएस पर एक सीमा के बाद लगे टैक्स को घटा सकती हैं। इस तरह के कदमों की गुंजाइश है जिसे उठाकर वह लोगों को राहत दे सकती हैं। यह संभव अगले बजट में होगा जिसे पूर्ण बजट कहा जायेगा। उसमें वित्त मंत्री के पास काफी कुछ होगा। इंतजार कीजिये, लोकसभा चुनाव का और फिर नई सरकार का जो देश की जनता की आर्थिक स्थिति को सुधारने के बड़े कदमों के अलावा कुछ छोटे कदम भी उठायेगी। ऐसे कदमों से भी जनता का उत्साह बढ़ता है और वह टैक्स देने को प्रेरित होती है।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान नेत्र से उजाला फैलाती गरिमा

अरुण नैथानी

कुदरत के खेल भी निराले हैं। व्यक्ति के लिये एक रास्ता बंद करती है सौ रास्ते खोल भी देती है। लौकिक दृष्टि लेती है तो अलौकिक दृष्टि दे देती है। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जनपद के नावदी गांव की गरिमा ने इस बात को साबित किया। जब नौ साल पहले गरिमा पैदा हुई तो दृष्टिबाधित थी। यह महसूस किया जा सकता है कि एक बेटी के दृष्टिबाधित पैदा होने पर माता-पिता किन मनःस्थितियों से गुजरते हैं। लेकिन आज उसी परिवार ही नहीं, पूरे गांव को इस बेटी पर गर्व है क्योंकि उसने परिवार-गांव को राष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया है। पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उसे प्रधानमंत्री का 'राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किया। वह भी ज्ञान का उजाला फैलाने के लिये। दरअसल, गरिमा को यह सम्मान वंचित समाज के बच्चों को उनकी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर शिक्षा के लिये प्रेरित करने के लिये दिया गया। वाकई कुदरत कमाल करती है। दृष्टि से वंचित गरिमा यह कार्य महज तीन साल की उम्र से कर रही है। गरिमा को दृष्टि नहीं मिली लेकिन मानवीय अंतर्दृष्टि मिली। दो नेत्र नहीं मिले तो उसने ज्ञान का तीसरा नेत्र खोल दिया। कितनी समझ होती है तीन साल के बच्चे को। वह अपने बारे में अच्छे से नहीं सोच पाता, समाज की कहां सोच पाएगा। उसके जीवन में यह परिवर्तन कैसे आया और कैसे गरिमा ने गरीब बच्चों को स्कूल भेजने के लिये प्रेरित करना शुरू किया? इस सवाल के जवाब में गरिमा की मां सीमा यादव कहती हैं कि एक बार जब यह तीन साल की थी, एक महिला भिखारी घर पर कुछ मांगने आई थी। उसके साथ एक छोटी बच्ची थी और वह रो रही थी। गरिमा ने मां से सवाल किया कि वह बच्ची क्यों रो रही है? वह स्कूल क्यों नहीं जाती? तब मां ने बताया कि वे गरीब हैं अतः स्कूल नहीं जा सकती। उस घटना ने संवेदनशील गरिमा को गरीब बच्चों को स्कूल जाने के लिये मदद करने व प्रेरित करने का मन बनाया। वह तब से पिता के सहयोग से झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को पढ़ाने व पाठ्य सामग्री देने के प्रयास में लग गई। आज हमारे समाज में तमाम लोग छोटी-छोटी बातों में निराश होकर अवसाद में चले जाते हैं। जीवन तक खत्म कर लेते हैं। उन्हें गरिमा का हौसला व रचनात्मकता देखनी चाहिए। वह अपने जीवन का अंधेरा भूलकर ज्ञान बांटने के ऋषिकर्म में लगी है। वह एक साक्षर पाठशाला चलाती है। करीब एक हजार गरीब बच्चों को पाठ्य सामग्री आदि वितरित करके वह उनसे जुड़ चुकी है। वैसे गरिमा की इस सफलता में उनके पिता डॉ. नरेंद्र, जो खुद एक शिक्षक हैं, की भी प्रेरणा शामिल है। उसके पिता बताते हैं कि बेटी जिस अवस्था में पैदा हुई, उसे देखकर डॉक्टरों ने कुछ न हो पाने की स्थिति में बेटी को पढ़ाने-लिखाने की बात कही। लेकिन दृष्टिबाधिता के बावजूद उसका हौसला, संवेदनशीलता और उत्साह गजब का रहा। उसने लैपटॉप सीखा और खास सॉफ्टवेयर की मदद से अपना ज्ञान बढ़ाया। वह चौथी क्लास में पढ़ती है। लैपटॉप पर हिंदी-अंग्रेजी में काम करती है और मैडम को अपना काम मेल से भेज देती है। उत्साहवर्धक बात यह है कि वह सामान्य बच्चों के स्कूल जाती है। परिजन उसे स्कूल के गेट पर छोड़ आते हैं और वह खुद ही दूसरी मंजिल स्थित कक्षा में पहुंचती है। गरिमा, उसके परिवार और गांव के लिये 22 जनवरी गौरव का दिन था जब राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया। वह राष्ट्रपति के अलावा प्रधानमंत्री से भी मिली। 26 जनवरी को अन्य क्षेत्रों में पुरस्कृत बच्चों के साथ शान से कर्तव्यपथ पर निकली। उल्लेखनीय है कि ये पुरस्कार असाधारण योग्यता व उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये बच्चों को सात श्रेणियों में दिये जाते हैं। गरिमा को ये पुरस्कार सामाजिक कार्यों में योगदान के लिये दिया गया। प्रत्येक विजेता बच्चे को सम्मान स्वरूप एक पदक, प्रमाणपत्र और एक प्रशस्ति पुस्तिका दी जाती है। बहरहाल, गरिमा इस पुरस्कार से प्रफुल्लित है और आगे साक्षर पाठशाला के मिशन में ज्ञान की रोशनी बांटने के लिये इसे ऊर्जा मान रही है। दरअसल, गरिमा की सोच रही है कि शिक्षा बच्चे का मौलिक अधिकार है। हर बच्चे को शिक्षा मिले। गरीबी व अन्य परिस्थितियों के कारण जो बच्चे पढ़ नहीं पाते, उन्हें शिक्षा पाने के लिये मौका देकर प्रेरित किया जाना चाहिए। गरिमा 'साक्षर पाठशाला' में शामिल होने के लिये बच्चों को प्रेरित करती है। वह स्लम एरिया में जाकर बच्चों में कायदा, पेन, पेंसिल, गुब्बारे, टॉफी बांटकर स्कूल की अच्छाइयों से अवगत कराती है। इस काम में उसके पिता भी मदद करते हैं। उसकी इस सफलता से उसके गांव नावदी के लोग भी खासे खुश हैं कि उनके गांव की चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हुई है। वे मान रहे हैं कि बेटी के भीतर की मेधा, प्रज्ञा और विवेक ने छोटी उम्र में उसे राष्ट्रीय स्तर की ख्याति दिलाई है। वह अपनी आंतरिक क्षमताओं से वंचित समाज के लोगों का जीवन संवारेगी। उसकी उपलब्धि को जनपद महेंद्रगढ़ के प्रशासन ने भी हाथों-हाथ लिया है। राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बाद जिला उपायुक्त ने गरिमा को 'मेरी लाडो, मेरी शान' कार्यक्रम का ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

विचार मंथन

सऊदी अरब में भी महिलाओं के हक में बहने लगी हवा

निष्ठा गौतम, वरिष्ठ पत्रकार

किसी खिली चांदनी रात में एक ऐसे स्विमिंग पूल की कल्पना कीजिए, जिसके पानी का तापमान नहाने के बिल्कुल अनुकूल हो और बगल की रेतीली जमीन पर प्रागैतिहासिक कालीन पहाड़ियों की छाया पड़ रही हो, जिससे वह पूल एक आरामदायक कोकून जैसा बन जाता हो। इस पूल से दो युवक तैरकर बाहर निकलते हैं और पानी में डूबे बिस्तरों पर लेट जाते हैं, तभी काली-गुलाबी बिकनी में एक औरत पानी में छलांग लगाती है। वे एक-दूसरे का अभिवादन भी करते हैं। यह कोई असाधारण घटना नहीं है, लेकिन यह मंजर बहुत साधारण भी नहीं। बमुश्किल पांच साल पहले तक सऊदी अरब में किसी महिला को अपनी जुल्फें बाहर निकालने की हिम्मत नहीं होती थी, सार्वजनिक रूप से बिकनी पहनना तो बहुत दूर की बात है। भले ही, अल-उला शहर के इस स्विमिंग पूल के आसपास अबाया पहने कई महिलाएं दिख जाती हैं, लेकिन अब हवा का रुख बदल रहा है। अल-उला सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के 'विजन 2030' के केंद्र में है। सऊदी सरकार का 'टॉप-डाउन' नजरिया (ऊपर से रिसकर विकास-कार्यों का नीचे तक आना) बेशक विवादास्पद हो सकता है, लेकिन यह दृष्टिकोण स्पष्ट और सराहनीय बदलाव ला रहा है। यह परिवर्तन सिर्फ पांच सितारा रिसॉर्ट्स तक सीमित नहीं है। कई लोग जेद्दा के पुराने दिनों को याद कर सकते हैं, जब महिलाएं दिखती तक नहीं थीं। मगर अब अप्रवसान डेस्क से लेकर बिक्री काउंटर तक हर जगह औरतें नजर आती हैं। उन्हें महरम पुरुषों (जिन मर्दों से औरतों को शादी करने की अनुमति नहीं होती) द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता है और न मुतावा (मजहबी पुलिस) अब दिखती है। साफ है, सऊदी अरब उन्मुक्तता को बढ़ावा दे रहा है और अल-उला को इसकी सामाजिक प्रयोगशाला कह सकते हैं। कहा जाता है कि कभी यह शहर शापित था, क्योंकि यहां के लोग चेतावनियों को नजरंदाज करते हुए बुतों की पूजा किया करते थे, जिसके कारण इस पर आसमानी बिजली गिरी। मगर अब यहां हर जगह मूर्तियां दिखती हैं। यहां की प्रागैतिहासिक चट्टानों में लौह युग की कब्रें हैं, जिनका अध्ययन मानव इतिहास के बारे में जानकारी जुटाने के लिए किया जा रहा है। यहां इस्लाम-पूर्व की जीवनशैली की झलक देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को दिखाई जा रही है। यहां के पत्थरों में इतिहास, रेगिस्तान में कला, बाजार में तमाम तरह की खाने-पीने की चीजें, और रिसॉर्ट्स में महंगे गैर-प्राकृतिक उत्पाद मौजूद हैं। जाहिर है, एक ऐसे देश के लिए, जो जीवाश्म ईंधन और मजहबी यात्रा पर फलता-फूलता रहा हो, यह विश्वास की एक लंबी छलांग है। इसका असर भी खूब दिख रहा है। अब यहां के तमाम रिसॉर्ट्स भरे होते हैं, जिनमें सुबह में सूर्य नमस्कार, तो देर शाम बौद्ध धर्म का ध्यान कराया जाता है और ये सभी काम महिलाएं कराती हैं। इसकी पुरातात्विक खोजों में छात्राएं शामिल हो सकें, इसके लिए विदेश में प्रशिक्षण की खातिर उनको छात्रवृत्ति दी जा रही है। ऐसा लगता है कि क्राउन प्रिंस ने अपनी शर्तों पर 'सऊदीप्रिंग' लाने का फैसला कर लिया है। अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर जरूर कुछ कहा जा सकता है, लेकिन पूर्णता पर जोर अक्सर अच्छे सुधारों के क्रियान्वयन को रोकता है। इसलिए एक समय में एक कदम, और जब यह कदम महिलाओं को मुख्यधारा में लाने की दिशा में उठाया जा रहा है, तो निश्चय ही यह स्वागत के योग्य है। बीते हफ्ते से गैर-मुस्लिम विदेशी राजनयिक रियाद के विशेष स्टोर से शराब खरीद सकते हैं। यह कोई छोटा बदलाव नहीं है, क्योंकि यह व्यक्तिगत पसंद के अधिकार की रक्षा करता है। इस बदलाव का मकसद वैश्विक प्रक्रियाओं में भागीदारी बढ़ाना है। सऊदी अरब यह समझने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के रास्ते पर चल पड़ा है कि तेल और मजहब पर्याप्त नहीं है। पारंपरिक सोच रखने वालों के लिए भले ही अल-उला एक शापित शहर हो, पर अब वे इसको नजरंदाज भी नहीं कर सकते। मदीना क्षेत्र का एक उत्साही गाइड हंसते हुए कहता है, अब हमारे पास ताकत है, आपको यदि यह पसंद नहीं, तो यह आपकी समस्या है। निस्संदेह, यह हंसी अब सऊदी अरब का सबसे बड़ा पर्यटक आकर्षण है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

उच्च शिक्षा हासिल कर विश्वविद्यालय-कॉलेजों में अध्यापन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए आनेवाला समय संभावनाओं से भरा है. नये केंद्रीय विश्वविद्यालयों के खुलने और विभिन्न विश्वविद्यालयों में नयी रिक्तियां आने से यह क्षेत्र काफी आकर्षक बन गया है. लेकिन दूसरे क्षेत्रों के उलट यह क्षेत्र लंबी और समर्पण भरी तैयारी की मांग करता है. आइए जानें कैसे बढ़ाएं कदम शिक्षा की इस आकर्षक दुनिया में.

उच्च शिक्षा में ऊंची उड़ान के लिए

पिछले दिनों एमफिल और पीएचडी करने के बाद भी उम्मीदवारों को एकेडेमिक्स क्षेत्र में कदम बढ़ाने के लिए नेट उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता पर बहस छिड़ी थी. अंततः इस शर्त को मान लिया गया. कहा गया कि मौजूदा समय में फैकल्टी की भारी कमी के कारण यह फैसला लिया गया है. सैम पित्रौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में पहले से ही 1,500 विश्वविद्यालय हैं और अभी 14 नयी इनोवेशन यूनिवर्सिटीज खुलनी हैं. लेकिन मौजूदा विश्वविद्यालयों में ही फैकल्टी की कमी होने से नये विश्वविद्यालय इस स्थिति से कैसे निबटेंगे, यह समझना मुश्किल है. फिर भी उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाते समय अधिकांश युवाओं के जेहन में सपना होता है कि वे आनेवाले समय में कॉलेज, विश्वविद्यालय में पढ़ायेंगे. विश्वविद्यालय में पढ़ाने के लिए न्यूनतम योग्यता के बारे में तो सब जानते हैं, पर उस योग्यता के साथ नौकरी पक्की नहीं होती है. इस क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए उम्मीदवारों को लगातार अपनी योग्यता में इजाफा करना होता है.

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ाने की शुरुआत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद से होती है. ज्यादातर जगहों पर आ रही रिक्तियों के विज्ञापन से पता चलता है कि इस पद के लिए चयन अब प्वॉइंट सिस्टम के माध्यम से होगा. डीयू, एएमयू के अलावा कई विश्वविद्यालयों में छात्रों की स्क्रीनिंग करने के लिए एकेडमिक एक्सीलेंस के विभिन्न पायदानों को प्वॉइंट सिस्टम के अंतर्गत रखा गया है.पिछले दिनों आपने अखबार में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय (एएमयू) आदि में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर आदि के लिए रिक्तियां देखी होंगी. यहां हम आपको विस्तार से जानकारी दे रहे हैं उन योग्यताओं के बारे में, जिन्हें हासिल कर आप विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि में पढ़ाने के लिए अपनी सीट पक्की कर सकते हैं.

एमफिल से मिलता है मौका

अगर आपका लक्ष्य तय है, तो आप मास्टर्स करने के बाद एमफिल यानी मास्टर्स ऑफ फिलॉस्फी के लिए आवेदन कर सकते हैं. मास्टर्स में 55 फीसदी अंक धारक इसके लिए आवेदन करने के योग्य होते हैं. मास्टर्स के बाद एमफिल करने का निर्णय लेना आपकी उम्मीदवारी के लिए एक बेहतर कदम जरूर साबित होगा. पीएचडी के बाद पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च आपके बायोडाटा में चार चांद लगाता है. अगर उम्मीदवार ने पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च कर लिया है, तो उसे कॉलेज, विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अलग से प्वॉइंट मिलते हैं, जिससे वह उस सीट का मजबूत दावेदार बन जाता है.

पब्लिकेशन पर दें ध्यान

बस इतना ही नहीं. एमफिल, पीएचडी, रिसर्च, पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च के दौरान किये गये शोध और नयी स्थापनाओं को आप पेपर के रूप में पब्लिश कराएं. किताब लिखना या किताब का कोई अध्याय लिखना भी आपको प्वाइंट दिलाता है. आपके कितने पेपर पब्लिश हुए हैं, प्वॉइंट सिस्टम में इसके भी प्वॉइंट्स मिलते हैं. अखबारों के लिए लिखे गये लेखों को भी प्वाइंट दिया जाता है. इसलिए अपने ज्ञान को न सिर्फ बढ़ाएं, बल्कि इसके अच्छे जगह से प्रकाशन पर भी ध्यान दें.

कैसा है प्वॉइंट सिस्टम

प्वॉइंट सिस्टम को बेहतर ढंग से समझने के लिए आपके सामने एक उदाहरण प्रस्तुत है. दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में आपकी प्रोफाइल के साथ ही प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पद के लिए प्वॉइंट सिस्टम लागू किया जाता है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए 100 प्वॉइंट्स अलग से दिये जाते हैं.

कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 55 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे कम पर 12 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे कम अंक पर 16 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के 10, पीएचडी के 17, नेट के लिए सात और नेट-जेआरएफ के 10 प्वॉइंट मिलते हैं.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 25 प्वॉइंट. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए तीन और एक, बुक्स ऑथरशिप के लिए छह, बुक्स एडिटिंग के लिए चार, किताबों में चैप्टर्स के लिए दो, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए दो या एक, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए एक प्वॉइंट मिलता है. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए अधिकतम 20 प्वॉइंट्स मिलते हैं.

यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 47 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे ज्यादा के लिए 10 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे ज्यादा अंक पर 15 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के पांच, पीएचडी के 17, नेट के लिए तीन और नेट-जेआरएफ के पांच मिलते हैं. अगर एमफिल और पीएचडी दोनों की है या इंटीग्रेटेड कोर्स के रूप में किया है, तो दोनों योग्यता के लिए कुल 17 प्वॉइंट दिये जायेंगे.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 33 प्वॉइंट्स मिलते हैं. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए पांच और दो, बुक्स ऑथरशिप के लिए आठ, बुक्स एडिटिंग के लिए छह, किताबों में चैप्टर्स के लिए चार, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए चार या दो, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए दो प्वॉइंट्स मिलेंगे. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए 20 प्वॉइंट्स मिलेंगे.

क्या है न्यूनतम योग्यता

देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर पढ़ाने के लिए मास्टर्स डिग्री में कम से कम 55 फीसदी अंकों का होना जरूरी होता है. (अनुसूचित जाति, जनजाति और विकलांग उम्मीदवारों के लिए 50 फीसदी) साथ ही यूजीसी/ सीएसआइआर द्वारा आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट)/ राज्यों द्वारा आयोजित किये जानेवाले स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट (स्लेट) / स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट फॉर लेक्चररशिप (सेट) पास होना भी आवश्यक है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करने के लिए मास्टर्स डिग्री के साथ 2009 रेग्युलेशंस के अनुसार पीएचडी धारक प्रतिभागियों को नेट / स्लेट / सेट से छूट (एग्जेंपशन) मिलती है.

पीएचडी दिलाये एक्स्ट्रा प्वॉइंट

यदि एकेडमिक्स की ओर जाना ही आपका लक्ष्य है, तो मास्टर्स करने के बाद खुद को अच्छे संस्थान से पीएचडी के लिए तैयार करें. इसके लिए आपको अपनी शोध-रुचि के मुताबिक किसी विषय का चयन करना होगा और खुद को पीएचडी के लिए इनरोल करवाना होगा. अकादमिक जगत में पीएचडी की डिग्री सबसे अहम है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करते समय इसके लिए अलग से प्वॉइंट निर्धारित किये जाते हैं. पीएचडी के बिना नौकरी मिलना मुश्किल है.

रिसर्च और अध्यापन

अध्यापन ही आपका लक्ष्य है, तो बेहतर होगा कि अपनी उम्मीदवारी में प्वॉइंट्स की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार शोध से जुड़े रहें. शोध के क्षेत्र में सक्रियता आपको अपने क्षेत्र में अपडेट रखने के साथ ही ज्ञान के विस्तार में भी आपकी मदद करेगा.

कैसे बनाए रखें अपनी नौकरी

रोजगार के अवसरों में गिरावट और बीच में आई आर्थिक मंदी के कारण कंपनियों और उद्योगों ने अपने खर्चों में कटौती करनी शुरू कर दी है। यहां कुछ ऐसी ही जानकारी दी जा रही है, जिसे जानना आपको अपनी योजनाओं पर विचार करने में मदद करेगा।

नौकरियों में कटौती - एक बढ़ता चलन

2,50,000-3,00,000
नौकरियों में कमी आई, ऐसा 12,000 औद्योगिक इकाइयों को घाटे की संपत्ति घोषित करने के कारण हुआ। (2012-13 के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार)

50 लाख
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान नौकरियां गईं (योजना आयोग के मुताबिक)

27,60,000
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान बढ़ी हुई नई नौकरियां (योजना आयोग के मुताबिक)

कब करें नौकरी के बारे में चिंता

- अगर आपकी कंपनी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही हो, उसके उत्पाद और सेवाएं पसंद न किए जा रहे हों, आय और लाभ में भारी गिरावट आ गई हो तो नौकरी पर खतरा हो सकता है।
- अगर आप एक दिन में 8 घंटे व्यस्त नहीं रहते और आपके बॉस आपको काम की और जिम्मेदारी न दे रहे हों।
- आपके अधिकतर सहकर्मियों के वेतन में वृद्धि हो रही हो, पर आपको तरक्की या सामान्य बढ़ोतरी भी न मिल रही हो।
- अगर आपके बॉस आपको नजरअंदाज कर रहे हों और अच्छा काम करने पर बधाई देने की बजाय आपसे बात करने से बच रहे हों।

अब आपको क्या करना चाहिए

- आप और बेहतर प्रदर्शन के लिए कमर कस लें, सिर्फ सौंपे हुए काम करने की बजाए दूसरे काम भी करें।
- या फिर नई जॉब ढूंढ़ना शुरू कर दें।

अनुभव के बिना नौकरी पाने में हो सकती है कठिनाई

अच्छी नौकरी पाने के लिए छात्र प्रोफेशनल डिग्री पाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए वे ज्यादा मशक्कत नहीं करते. जबकि इन दिनों कंपनियां ऐसे ही कर्मचारियों को नौकरी पर रखना पसंद कर रही हैं, जिनके पास डिग्री के साथ काम का अच्छा अनुभव भी हो.

यूं तो पहले भी कंपनियां नौकरी देने के मामले में अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता देती रही हैं, लेकिन अब कंपनियों के लिए आवेदक का कार्यानुभव उसकी डिग्री से भी ज्यादा मायने रखने लगा है.

बिजनेस स्कूलों के एसोसिएशन ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) द्वारा हाल में कराये गये एक सर्वे में यह बात सामने आयी है कि एक्सपीरियंस और इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी के चलते इस वर्ष देश के कई मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिल सकी है. सर्वे में पाया गया कि 2013 में भारत के जिन मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिली, उसकी बड़ी वजह इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी रही. तकरीबन 47 फीसदी ग्रेजुएट्स को इस वजह से जॉब नहीं मिल पायी, जबकि 29 फीसदी ने कम वेतन के चलते नौकरी ठुकरा दी. 29 फीसदी ग्रेजुएट्स के लिए जॉब नहीं मिलने का कारण आवश्यकता से ज्यादा क्वालिफाइड होना रहा. इस सर्वे में दुनिया के 129 बिजनेस स्कूलों के कुल 915 छात्रों को शामिल किया गया. इनमें अमेरिका के 433, भारत के 129, लैटिन अमेरिका के 109, बाकी एशिया से 96, ऑस्ट्रेलिया से 89, कनाडा से 25 और मिडिल इस्ट/अफ्रीका रीजन के 20 पूर्व एमबीए छात्रों को शामिल किया गया. ग्लोबल लेवल पर इस साल एमबीए और अन्य मास्टर डिग्री वालों के लिए रोजगार मिलने का ट्रेंड पिछले पांच वर्षो के औसतन हिसाब से बेहतर रहा. कुल मिला कर इस वर्ष तकरीबन 90 फीसदी एमबीए छात्रों को जॉब मिलने में सफलता हाथ लगी. हालांकि, पिछले साल यानी 2012 में तकरीबन 92 फीसदी छात्रों को जॉब मिली थी. हालांकि, पांच वर्ष पहले यह आंकड़ा तकरीबन 84 फीसदी था. इस वर्ष यानी 2013 के क्लास के जॉब आंकड़े अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग रहे. सर्वे में शामिल 95 फीसदी अमेरिकी छात्रों को जॉब मिल गयी, जबकि लैटिन अमेरिका में यह आंकड़ा 87 फीसदी रहा. भारत में 87 फीसदी, यूरोप में 82 फीसदी और एशिया के बाकी देशों में 85 फीसदी छात्र जॉब पाने में सफल हुए. सर्वे के वक्त 2013 में पास होनेवाले 10 फीसदी छात्र बेरोजगार थे, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा आठ फीसदी था. सर्वे में शामिल तीन चौथाई (74 फीसदी) छात्रों का कहना था कि उन्होंने अगर एमबीए नहीं किया होता, तो उन्हें जॉब नहीं मिलती.

सहकर्मियों के साथ रिश्ते बेहतर करें

किसी भी व्यक्ति या स्थिति को समझने, विवाद को हल करने तथा विश्वास एवं भरोसे का वातावरण तैयार करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करना महत्वपूर्ण होता है। पेश हैं कुछ टिप्स जिनकी सहायता से आप कार्यस्थल पर संवाद बेहतर करके सहकर्मियों के साथ अपने रिश्ते बेहतर कर सकते हैं।

श्रोताओं को जानें

अपने सहकर्मियों की गतिविधियों को देखें तथा बातचीत करने के उनके ढंग को समझने की कोशिश करें। इससे आप उनसे बेहतर ढंग से संवाद स्थापित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए जहां कोई सहकर्मी हमेशा मुद्दे की बात करना पसंद करता हो वहीं किसी अन्य को इस तरह की बातचीत में रूखापन महसूस हो सकता है। ऐसा नहीं है कि आपको अपने सहकर्मियों के हिसाब से अपने को बदलते रहना चाहिए लेकिन उनकी आदतों को समझ कर आप उनके साथ बेहतर ढंग से काम कर सकते हैं।

सही माध्यम का इस्तेमाल करें

बेशक कोई छोटा संदेश शीघ्र पहुंचाने के लिए ई-मेल ही काफी होती है परंतु जिन विषयों में काफी कुछ समझाना हो या आपस में विचार सांझे करने हों तो इसके लिए बैठक करना या फोन पर बात करना जरूरी हो जाता है। यदि कोई जरूरी नियम या किसी करार के बारे में बात हो तो बातचीत के बाद इस संबंध में लिखित जानकारी भी मुहैया करवा देनी चाहिए ताकि गलती की या किसी संदेश को गलत समझ लेने की भूल न हो।

स्पष्ट बात करें

अपने सहकर्मी को आप जो बात बताना चाहते हैं वह स्पष्ट, सटीक तथा पूरी होनी चाहिए। सहकर्मियों के बीच संवाद का मकसद कार्य को स्थिर गति से आगे बढ़ाना होता है। ऐसे में आपके संवाद में स्पष्टता बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे संवाद लिखित या मौखिक हों आप जो संदेश सामने वाले को देना चाहते हैं वह उसे आसानी से समझ आ जाना चाहिए।

सजग रहें

बातचीत के दौरान गैर-मौखिक संकेतों पर भी गौर करें। सामने वाले के हाव-भाव कैसे हैं, इसके अलावा आपको बातचीत के दौरान अपने हावभाव का भी ध्यान रखना होगा। आंखों से आंखें मिलाकर बातचीत करें। सामने वाले की बात सुनते हुए बीच-बीच में सिर हिलाकर संकेत दिया जा सकता है कि आप उनकी बात को गौर से सुन रहे हैं। ई-मेल भेजने से पहले एक बार गौर से जो लिखा हो, उसे अवश्य पढ़ें ताकि किसी प्रकार की कोई गलती न चली जाए। फोन पर बात करते हुए ई-मेल टाईप न करें।

सामने वाले की भी सुनें

एक अच्छा संवाद स्थापित करने के लिए जरूरी है कि आप अपनी ही न कहते रहें बल्कि सामने वाले की बात भी सुनें और समझें। केवल इसी बात पर अपना ध्यान न केंद्रित रखें कि आपने क्या और कैसे कहना है, सामने वाले की बात को सुनना तथा समझना भी आवश्यक है।

अक्सर बातचीत करें

किसी बड़ी परियोजना पर कार्य करते हुए काफी समय लग सकता है ऐसे में नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित करना बेहतर होगा। समय-समय पर आपस में बातचीत करके परियोजना को बेहतर ढंग से अंजाम दिया जा सकता है इससे गलतफहमियां भी जल्द दूर हो सकती हैं।

पेटीएम ने कहा- उसकी यूपीआई सेवाएं सामान्य रूप से काम करती रहेंगी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से पेटीएम पेमेंट बैंक पर रोक लगाने के बाद पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने यूपीआई सेवाओं पर बयान जारी कर कहा कि उसकी यूपीआई सेवा सामान्य रूप से काम करती रहेंगी, क्योंकि कंपनी इसे जारी रखने के लिए अन्य बैंकों के साथ काम कर रही है। बता दें फिलहाल पेटीएम यूपीआई सेवाएं, पेटीएम पेमेंट्स बैंक के तहत आती हैं, जिसे हाल में भारतीय रिजर्व बैंक ने 29 फरवरी के बाद ग्राहकों से पैसे लेने से रोक दिया था। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआई सामान्य रूप से काम करता रहेगा। हम बिना किसी बाधा के सेवा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अन्य बैंकों के साथ काम कर रहे हैं। उपयोगकर्ताओं को अलग से कुछ भी करने की जरूरत नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के अनुसार पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) दिसंबर में बैंकों के बीच शीर्ष यूपीआई लाभार्थी था। ग्राहकों ने दिसंबर में पेटीएम पेमेंट बैंक ऐप पर 16,569.49 करोड़ रुपए के 144.25 करोड़ लेनदेन किए। पेटीएम का भारत बिल पेमेंट ऑपरेटिंग यूनिट (बीबीपीओयू) कारोबार भी पीपीबीएल के तहत आता है। यह सेवा बिजली-पानी, स्कूल और विश्वविद्यालय शुल्क जैसे बिल भुगतान की सुविधा देती है। आरबीआई के कदम का बीबीपीओयू के जरिए बिल भुगतान पर असर के बारे में पूछे जाने पर, पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा कि पेटीएम उपयोगकर्ता हमेशा की तरह सभी बिल भुगतान और रिचार्ज के लिए ऐप का उपयोग जारी रख सकते हैं।

अमेरिकी सांसद ने की चावल उद्योग में प्रतिस्पर्धा जांचने की मांग

वाशिंगटन । अमेरिकी में एक शक्तिशाली कांग्रेस समिति के प्रमुख ने वैश्विक स्तर पर चावल उद्योग में प्रतिस्पर्धा की जांच करने और एक रिपोर्ट तैयार करने का आग्रह किया है। रिपब्लिकन सांसद एवं तरीकों तथा साधनों की सदन की समिति के चेयरमैन जेसन स्मिथ ने कहा कि अमेरिका, चीन, भारत, बांग्लादेश, ब्राजील और पाकिस्तान सहित प्रमुख वैश्विक चावल उत्पादक तथा निर्यातक देशों के हालिया कदमों के संदर्भ में इसकी आवश्यकता है। स्मिथ ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग (यूएसआईटीसी) के चेयरमैन डेविड एस. जोहानसन को लिखे एक पत्र में कहा कि सांसदों को ऐसी नीतियों को लागू करने के लिए वैश्विक चावल बाजार की अद्यतन समीक्षा तथा विश्लेषण की आवश्यकता है जो यह सुनिश्चित करेगी कि अमेरिकी उत्पादक समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हों। यूएसआईटीसी द्वारा इसी तरह की आखिरी रिपोर्ट 2015 में तैयार की गई थी। स्मिथ ने कहा` कि 2015 के बाद से वैश्विक चावल बाजार में हुए महत्वपूर्ण बदलावों को देखते हुए अमेरिकी चावल उत्पादकों को दुनिया भर में किस हद तक अनुचित प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, यह जानने में नया विश्लेषण सांसदों की मदद करेगा। स्मिथ ने अन्य बातों के अलावा यूएसआईटीसी प्रमुख से अमेरिकी चावल उद्योग के साथ-साथ बांग्लादेश, ब्राजील, चीन, भारत, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, पैराग्वे, थाईलैंड, उरुग्वे, और वियतनाम जैसे अन्य प्रमुख वैश्विक चावल उत्पादकों तथा निर्यातकों द्वारा हाल ही में उठाए गए कदमों को भी रिपोर्ट में शामिल करने का आग्रह किया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल एशियाई बाजार में मिलेजुले रुख के बाद भी दिग्गज आईटी कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस के शेयरों में तेजी से आया है। आज कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 454.67 अंक करीब 0.63 फीसदी की बढ़त के साथ ही 72,186.09 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 157.70 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी बढ़कर 21,929.40 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, मारुति, विप्रो, लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं इसी प्रकार पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व और एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट पर बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली टीसीएस और इंफोसिस के शेयरों में तेजी और विदेशी निवेशकों के निवेश से भी बाजार को बल मिला। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई और हांगकांग का शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए जबकि दक्षिण कोरिया के सियोल और टोक्यो के बाजार में भी गिरावट रही। ज़्यादातर यूरोपीय बाज़ार लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

विदेशों निवेशकों ने भी घरेलू बाजार में 518.88 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में गिरावट के बाद भी आईटी शेयरों में तेजी की वजह से घरेलू बाजार तेजी के साथ खुला। बीएसई का सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 71,731.42 के मुकाबले 239 अंक 240 अंक की बढ़त लेकर 71,970.82 पर खुला। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी सकरात्मक शुरुआत के साथ खुला और 69.75 अंक की वृद्धि के साथ 21,841.45 पर कारोबार कर रहा था

भारत में कर के तर्कसंगत होने तक लक्जरी कार की पहुंच कम बनी रहेगीः ऑडी

मुओनियो ।

जर्मनी की वाहन निर्माता कंपनी ऑडी भारतीय बाजार को लेकर उत्साहित है, लेकिन उसका कहना है कि उच्च करों को तर्कसंगत बनाकर कम करने तक देश में लक्जरी कार की पहुंच दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की तुलना में कम बनी रहेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। ऑडी को भारत में लक्जरी कार खंड की वृद्धि 2024 मध्यम से कम रहने की उम्मीद है। 2023 में यह करीब 25 प्रतिशत रही थी। ऑडी इंडिया के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि समग्र कार उद्योग बढ़ रहा है, साथ ही लक्जरी खंड भी बढ़ रहा है। पिछले साल उद्योग में सबसे अधिक वृद्धि हुई। उन्होंने कहा, भारत की जीडीपी बढ़ रही है, मोटर वाहन उद्योग की वृद्धि के लिए आप जो भी पैमाने रखते हैं वे सभी बढ़ रहे हैं। इसलिए हमारा मानना है कि हम सही समय पर सही स्थान पर हैं। यह भारत का समय है और हम भी लगातार वृद्धि करते रहेंगे। अगर हम भारतीय लक्जरी कार क्षेत्र की तुलना करें तो हम शुरुआती चरण में हैं। उन्होंने कहा कि उस क्षेत्र के कई देशों में समग्र कार बाजार में लक्जरी कार की पहुंच पांच से छह प्रतिशत और कुछ बाजारों में 20 प्रतिशत तक है। इसलिए लगता है कि हमारे पास करने के लिए अब भी बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि करों को कम करके उन्हें तर्कसंगत बनाने से भारत में लक्जरी कार बाजार की वृद्धि को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। अभी तक अधिकतर लक्जरी कार पर कुल कर दर (जीएसटी सहित उपकर) करीब 50 प्रतिशत है। अ धिकारी ने कहा कि मुझे यकीन है कि एक समय यह तर्कसंगत होगा जो हमें तेज वृद्धि करने में मदद देगा।

बजट से उत्साह, कंपनियां कुछ महीनों में अपना निवेश बढ़ाएंगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने अंतरिम बजट में अर्थव्यवस्था की आगे की जो तस्वीर स्पष्ट की है, उससे भे विष्य में खपत अच्छी-खासी बढ़ने की संभावना है। यही देखकर कंपनियां भी अगले कुछ महीनों में अपना निवेश बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। अंतरिम बजट आने के बाद 12 कंपनी प्रमुखों ने अपनी तैयारी बताई। उनमें से 66.67 फीसदी नई क्षमता तैयार करने की योजना बना रहे हैं। उनका कहना है कि अंतरिम बजट में साफ संकेत है कि सरकार से ठेके और ऑर्डर मिलेंगे। 75 फीसदी प्रतिभागियों को लगता है कि खपत बढ़ेगी मगर 25 फीसदी प्रतिभागियों को अगले कुछ महीनों में खपत मांग बढ़ने के आसार नहीं दिख रहे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के अपने अंतरिम बजट में बुनियादी ढांचे पर व्यय 11.1 फीसदी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये करने की घोषणा की है। इसके बाद माना जा रहा है कि ज्यादातर नया निवेश बुनियादी ढांचा कंपनियां ही करेंगी। इन कंपनियों को रेल, मेट्रो, सड़क और राजमार्ग के साथ वर्तमान और नई हवाई अड्डा कंपनियों से बड़े पैमाने पर ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। एक बड़ी कंपनी के सीईओ ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा` कि इससे यह भी पता चलता है कि जुलाई में पूर्ण बजट कैसा रहेगा। बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय काफी बढ़ाया गया है और कुल खर्च बढ़ाकर 11.1 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2024 के संभावित खर्च पर गौर करें तो यह करीब 9.5 लाख करोड़ रुपये बैठेगा। इस लिहाज से वास्तविक बढ़ोतरी करीब 17 फीसदी दिखती है, जिससे देसी बाजार में जबरदस्त मांग पैदा होने के साथ ही निजी निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा भी मिलेगा।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक को दी मंजूरी

- आईसीआईसीआई बैंक के साथ 5 अन्य बैंक में 9.5 फीसदी की होगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा उसे मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के बाद अब एचडीएफसी बैंक आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक सहित 6 लेंडर बैंक में से प्रत्येक में 9.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर सकते हैं। बता दें कि एचडीएफसी बैंक ग्रुप के अंतर्गत एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी और अन्य शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि एचडीएफसी बैंक द्वारा आरबीआई को 18 दिसंबर, 2023 को किए गए आवेदनों के अनुसार मंजूरी दी गई थी। एचडीएफसी बैंक एक्सिस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बंधन बैंक, यस बैंक और इंडसइंड बैंक की हिस्सेदारी हासिल करेगा। बता दें कि आरबीआई की मंजूरी 4 फरवरी, 2025 तक एक वर्ष की अवधि के लिए वैध है। आरबीआई के निर्देशों के अनुसार एचडीएफसी बैंक को यह सुनिश्चित करना होगा कि 6 बैंकों में कुल हिस्सेदारी हर समय संबंधित बैंकों की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग अधिकार के 9.50 प्रतिशत से अधिक न हो। इसके अलावा चूंकि आरबीआई के निर्देश एचडीएफसी बैंक पर लागू होते हैं, इसलिए बैंक ने समूह की ओर से आरबीआई को आवेदन दिया है।

बीएलएस ई-सर्विसेज के शेयर 129 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड के शेयर 135 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले लगभग 129 प्रतिशत के उछाल के साथ मंगलवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 128.88 प्रतिशत चढ़कर 309 रुपये पर शुरुआत की। बाद में 157.70 प्रतिशत बढ़कर 347.90 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर ये 125.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 305 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,919.22 करोड़ रुपये रहा। बीएलएस ई-सर्विसेज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले गुरुवार को बोली के आखिरी दिन 162.48 गुना अभिदान मिला था। 2,30,30,000 तक के इक्विटी शेयर के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 129-135 रुपये प्रति शेयर था। बीएलएस ई-सर्विसेज, बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। यह वीजा और कांसुलर सेवाएं प्रदान करती है।

नौ महीनों में तेल कंपनियों का मुनाफा 69,000 करोड़ रहा

मुंबई । मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में देश की तीन पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों को 69,000 करोड़ रुपए का जोरदार मुनाफा हुआ है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशल` लिमिटेड (एचपीसीएल) का मुनाफा वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर अवधि में संयुक्त रूप से तेल संकट से पहले के सालों में रही 39,356 करोड़ रुपए की वार्षिक कमाई से बेहतर है। आईओसी ने चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में एकल आधार पर 34,781.15 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। कंपनी ने इसकी तुलना में 2022-23 में 8,241.82 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। कंपनी को 2021-22 में 24,184 करोड़ रुपए और 2020-21 में 21,836 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। बीपीसीएल ने चालू वित्त वर्ष में नौ महीने महीने की अवधि में 22,449.32 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में उसे 4,607.64 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। एचपीसीएल का 9 महीने का मुनाफा 11,851.08 करोड़ रुपए रहा जबकि उसे वित्त वर्ष 2022-23 में 8,974.03 करोड़ रुपए का घाटा और 2021-22 में 6,382.63 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। तेल कंपनियों को अप्रैल-सितंबर 2022 के दौरान रूस-यूक्रेन वॉर की वजह से संयुक्त रूप से 21,201.18 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय कीमतों में नरमी और सरकार के एलपीजी सब्सिडी देने से आईओसी और बीपीसीएल को 2022-23 के दौरान सालाना लाभ प्राप्त करने में मदद मिली लेकिन एचपीसीएल घाटे में रही। चालू वित्त वर्ष में हालात बदले हैं। तीनों कंपनियों ने पहली दो तिमाहियों में रिकॉर्ड कमाई की। इसका कारण अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें एक साल पहले की तुलना में लगभग आधी होकर 72 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल होना रहा। बाद की तिमाही में अंतरराष्ट्रीय कीमतें फिर से बढ़कर 90 अमेरिकी डॉलर हो गईं। इससे उनकी कमाई में कमी आई लेकिन कुल मिलाकर साल के दौरान उन्हें अच्छा लाभ हुआ।

सेल अपने इस्को संयंत्र विस्तार पर 24,000 करोड़ निवेश करेगी

कोलकाता ।

सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) अपने इस्को इस्पात संयंत्र में 40 लाख टन क्षमता की नई इकाई लगाने पर 20,000-24,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम बंगाल के बर्नपुर में स्थित इस्को के मौजूदा संयंत्र में वाहन क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक फ्लैट हॉट रोल्ड कॉइल (एचआरसी) का उत्पादन करने की योजना है और इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इस्को इस्पात संयंत्र के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हमें नई इकाई लगाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। यह एपीआई और ऑटोमोटिव ग्रेड को लक्षित करते हुए फ्लैट एचआर कॉइल का उत्पादन करेगी। उन्होंने कहा` कि इस योजना को निदेशक मंडल की मंजूरी मिलना अभी बाकी है लेकिन जल्द ही यह मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वास्तविक पूंजीगत व्यय और निवेश के ब्योरे को निविदा प्रक्रिया के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। संयुक्त उद्यम के लिए संभावित विदेशी साझेदारों के संबंध में देरी होने के बाद सेल ने आखिरकार स्वतंत्र रूप से फ्लैट स्टील विस्तार परियोजना शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के अगले तीन-चार साल में पूरा होने की उम्मीद है। सेल की इकाई इस्को फिलहाल 26 लाख टन कच्चे इस्पात की क्षमता वाले संयंत्र का संचालन करती है। यहां पर 85-90 प्रतिशत कच्चे इस्पात को टीएमटी बार, वायर रॉड और भारी संरचनात्मक उत्पादों में बदला जाता है।

सेल SAIL
Steel Authority of India Limited

अमेरिकी फर्म ने ओला का मूल्यांकन घटाकर 1.88 अरब डॉलर किया

नई दिल्ली ।

अमेरिका की निवेश प्रबंधन फर्म वैनगार्ड ने मोबिलिटी कंपनी ओला का मूल्यांकन घटाकर 1.88 अरब डॉलर कर दिया है। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) को दी गई अपनी नियामकीय सूचना के अनुसार वैनगार्ड ने 30 नवंबर, 2023 तक ओला की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजिज का मूल्यांकन कम करके 1.88 अरब डॉलर कर दिया है। यह पिछले साल 31 अगस्त तक इसके पिछले मूल्य 2.65 अरब डॉलर की तुलना में 29 प्रतिशत कम है। वैनगार्ड का नवीनतम मूल्य 1.88 अरब डॉलर है, जो पिछले मूल्यांकन से 74 प्रतिशत कम है, जिस पर कंपनी ने धन जुटाया था। पिछले साल फरवरी में वैनगार्ड ने एएनआई टेक्नोलॉजिज का मूल्यांकन 7.3 अरब डॉलर से लगभग 34 प्रतिशत घटाकर 4.8 अरब डॉलर कर दिया था। बाद में वैनगार्ड ने अपनी हिस्सेदारी 52.7 प्रतिशत और घटाकर 3.5 अरब डॉलर कर दी थी। बताया जाता है कि इस राइड-हेलिंग फर्म में वैनगार्ड की हिस्सेदारी करीब 0.7 प्रतिशत है।

कंपनी ने वैनगार्ड द्वारा उसके मूल्यांकन में की गई कटौती के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की। दिसंबर 2021 में मोबिलिटी प्लेटफॉर्म ने आईआईएफएल, एडलवाइस और हीरो एंटरप्राइज सहित कुछ निवेशकों से तकरीबन 13.9 करोड़ डॉलर की रकम जुटाई थी। कारोबार पर नजर रखने वाले एक प्लेटफॉर्म से प्राप्त किए गए नियामकी दस्तावेजों से यह जानकारी मिली है।

सुस्त मांग से एफएमसीजी कंपनियां हो रहीं प्रभावित

- अक्टूबर-दिसंबर में एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री 2.5 फीसदी ही बढ़ी

नई दिल्ली ।

अर्थव्यवस्था में निजी खपत सुस्त रहने से दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां प्रभो वित हो रही हैं। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सूचीबद्ध एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री 2.5 फीसदी ही बढ़ी, जो 14 तिमाहियों में सबसे कम है। जून, 2020 में समाप्त तिमाही के बाद से एफएमसीजी कंपनियों की आय में यह सबसे कम वृद्धि है। एक` रिपोर्ट में बताया गया है` कि कोविड के कारण जब लॉकडाउन हुआ था तब कुछ कंपनियों की कुल बिक्री में सालाना 13.2 फीसदी गिरावट आई थी। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री 57,604 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 56,203 करोड़ रुपये से मामूली अधिक है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी बिक्री 56,921 करोड़ रुपये रही थी। वृद्धि में गिरावट इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि अक्टूबर-दिसंबर, 2022 में आय भी कम ही थी। इस विश्लेषण में वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी करने वाली 20 एफएमसीजी कंपनियां ली गई हैं, जिनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एशियन पेंट्स, डाबर इंडिया, गोदरेज कंज्यूमर, मैरिको, कोलगेट-पामोलिव, पीएंडजी हाइजीन, जिलेट इंडिया और ज्योति लैब्स जैसे नाम शामिल हैं। नेस्ले इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, टाटा कंज्यूकर, बर्जर पेंट्स और कंसाई नेरोलैक जैसी प्रमुख कंपनियों के नतीजे अभी जारी नहीं हुए हैं, इसलिए इन्हें नमूने में शामिल नहीं किया गया है। मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज के विश्लेषकों ने हिंदुस्तान यूनिलीवर के नतीजों पर लिखा है, 'हिंदुस्तान यूनिलीवर की बिक्री 2 फीसदी बढ़ी है और आय लगभग सपाट रही है। उत्पादों के दाम घटाने और ग्राहकों को ऑफर देने के बाद भी ग्रामीण इलाकों में बिक्री रफ्तार नहीं पकड़ सकी है। शहरी इलाकों में प्रीमियम श्रेणी का प्रदर्शन बेहतर बना हुआ है।

2025 एशियाई शीतकालीन खेलों में बायथलॉन, कर्लिंग, आइस हॉकी भी शामिल रहेगी

हार्बिन । चीन में साल 2025 में होने वाले 9वें एशियाई शीतकालीन खेलों में कुल छह खेल, 11 अनुशासन और 64 प्रतियोगिताएं होंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, जो खेल इसमें होंगे। वे हैं बायथलॉन, कर्लिंग, आइस हॉकी, स्केटिंग, स्कीइंग और स्की पर्वतारोहण। सभी छह खेलों में पुरुषों और महिलाओं की स्पर्धाएं होंगी, साथ ही विशिष्ट विषयों में मिश्रित स्पर्धाएं भी खेली जाएंगी। वहीं ओसीए के कार्यवाहक महानिदेशक विनोद कुमार तिवारी के अनुसार, ओसीए जल्द ही एक समन्वय समिति का गठन करेगा जो खेलों के सभी स्थानों और तैयारियों को देखने के लिए जल्द ही हार्बिन का दौरा करेगी। गौरतलब है कि चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी हार्बिन को जुलाई में थाईलैंड में आयोजित 42वें ओसीए कांग्रेस द्वारा 2025 एशियाई शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए चुना गया था।

दक्षिण एशिया की पहली महिला हैंडबॉल लीग भारत में लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित करते हुए दक्षिण एशिया की पहली पेशेवर महिला हैंडबॉल लीग (डब्ल्यूएचएल) की मेजबानी का गवाह बनने जा रहा है। इस लीग में मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व, यूरोप और अफ्रीका के प्रमुख खिलाड़ी शामिल होंगे। इस लीग को पावना स्पोर्ट्स वेंचर द्वारा प्रोमोट किया जा रहा है, जो दक्षिण एशियाई हैंडबॉल फेडरेशन, एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के तत्वावधान में आधिकारिक लाइसेंसधारी है और जिसे हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया का समर्थन प्राप्त है। उद्घाटन संस्करण में हिस्सा लेने के लिए तैयार छह टीमों के साथ, यह लीग भारत में महिला हैंडबॉल के लिए गेम-चेंजर बनगी, जो न केवल खिलाड़ियों को अपने कौशल दिखाने के लिए एक परिवर्तनकारी मंच प्रदान करेगी बल्कि एक ऐसा मंच भी बनाएगी, जो भविष्य को बदलने में सक्षम होगा। दुनिया भर से खिलाड़ियों को शामिल करने से लीग में विविधता आएगी और इसका स्तर भी ऊंचा रहेगा। इससे देश भर के खेल प्रशंसकों को क्वालिटी हैंडबॉल एक्शन देखने का मौका मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस क्रांतिकारी लीग की घोषणा हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के लीग चेयरमैन और दक्षिण एशियाई हैंडबॉल फेडरेशन के महासचिव आनंदेश्वर पांडे ने कहा, हमें इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने पर गर्व है। भारत की पहली महिला हैंडबॉल लीग का शुभारंभ होना गौरव का क्षण है। यह लीग देश भर में महिला हैंडबॉल को बढ़ावा देने और विकसित करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। पावना स्पोर्ट्स वेंचर और एशियाई और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ जुड़कर, हमारा उद्देश्य भारत में महिला हैंडबॉल के मानक को ऊपर उठाना और हमारे एथलीटों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए विश्व स्तरीय मंच प्रदान करना है। यह लीग हमारे देश में महिला हैंडबॉल के साथ-साथ महिला खेलों के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। भारत की महिला हैंडबॉल टीम ने पिछले साल जॉर्डन में पहली बार प्रतिष्ठित एशियन प्रेसिडेंट्स कप का खिताब जीता था, जबकि भारतीय जूनियर लड़कियों की हैंडबॉल टीम ने एशियन जूनियर गर्ल्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था और पिछले साल विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था।

एशियन गेम्स 2022 में भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने रैंकिंग में 5वां स्थान हासिल किया।पावना स्पोर्ट्स वेंचर बुनियादी ढांचे के विकास, प्रतिभा की पहचान और जमीनी स्तर पर खेल के लिए शीर्ष स्तरीय कोचिंग सुविधाओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खेल में अगले तीन वर्षों में 100 करोड़ रुपये से अधिक का पर्याप्त निवेश करने के लिए तैयार है। डब्ल्यूएचएल ने खिलाड़ियों के लिए एक समग्र विकास मंच प्रदान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय महासंघों के साथ अपने जमीनी स्तर के विकास पहल के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में विदेशी मुद्रा कार्यक्रमों को एकीकृत करने की भी योजना बनाई है, जो उन्हें राष्ट्रीय और विश्व पर खेल में अपना नाम बनाने के लिए आवश्यक अनुभव प्रदान करेगा। पावना इंडस्ट्रीज की कार्यकारी निदेशक और पावना स्पोर्ट्स वेंचर की चेयरपर्सन प्रिया जैन ने कहा, एक कॉर्पोरेट समूह के रूप में, पावना स्पोर्ट्स वेंचर महिला खेल सशक्तिकरण का एक मजबूत समर्थक है।

स्टोक्स ने कहा क्राउली डीआरएस तकनीक की गलती से आउट हुए

विशाखापत्तनम ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली करारी हार पर निराशा जताते हुए डीआरएस प्रणाली पर भी सवाल उठा दिये। स्टोक्स के अनुसार उनकी टीम के सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली को डीआरएस तकनीक में गलती के कारण ही पगबाधा करार दिया गया। इस मैच की दोनों पारियों में क्राउली ने 76 और 73 रन बनाये थे। क्राउली को कुलदीप यादव की गेंद पर पगबाधा करार दिया गया। मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के डीआरएस लेने के बाद उन्हें आउट करार दिया गया। कुलदीप ये गेंद मिडिल स्टंप के सामने टप्पा खाने के बाद लेग स्टंप की ओर घूम रही थी। डीआरएस में गेंद लेग स्टंप से टकराते दिखी पर स्टोक्स इससे सहमत नहीं दिखे। स्टोक्स ने कहा कि खेल में तकनीक का इस्तेमाल होता है। हर कोई जानता है कि यह कभी भी 100 फीसदी नहीं हो सकता है। मुझे लगता है कि इस अवसर पर भी तकनीक ने गलत परिणाम दिया।

उन्होंने कहा कि यह मेरी निजी राय है। साथ ही कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि यह हमारी हार का कारण था। मैं केवल इतना कह रहा हूं कि तकनीक गलत साबित हो गयी। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा कि आप वास्तव में उन चीजों के साथ बहुत कुछ नहीं कर सकते जो बीत गयी हैं। मैच का फैसला हो गया है जिसे पलटा नहीं जा सकता।

अबू धाबी ओपन के दूसरे दौर में राडुकानु

अल रावदाह।

ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु ने अपने अबू धाबी ओपन अभियान की विजयी शुरुआत करते हुए पहले दौर के मुकाबले में चेक गणराज्य की मैरी बौजकोवा को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया। चोटों से जूझने के बाद साल की शुरुआत में एक्शन में लौटने के बाद राडुकानु को अपनी लय हासिल करने में कुछ समय लगा। जबकि, मैरी बौजकोवा शुरुआती चरण में अधिक आश्वस्त दिखीं और पहले दो गेम भी अपने नाम किए। धीरे-धीरे 2021 यूएस ओपन चैंपियन ने कुछ बेहतरीन ड्रॉप-शॉट्स के साथ खेल में पैर जमाना शुरू कर दिया। जो इस बात का संकेत था कि वो धीरे-धीरे अपनी लय हासिल कर रही हैं। जब उन्होंने पहला सेट 4-4 से बराबर किया, तो मुकाबला रोमांचक होने लगा। राडुकानु ने अगले दो गेम जीतकर पहला सेट जीत लिया और यहां से वो जीत से बस चंद कदम दूर थीं। दूसरे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए राडुकानु ने कुछ बेस्ट शॉट्स खेले जिसका मैरी बौजको के पास कोई जवाब नहीं था। राडुकानु ने अंत में पूर्व विंबलडन क्वार्टर फाइनलिस्ट बौजकोवा को 1 घंटे और 22 मिनट में हराकर दूसरे दौर में अपना स्थान हासिल किया। सीज़न के पहले क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने की कोशिश में राडुकानु का अगला मुकाबला नंबर 2 सीड ट्यूनीशिया की ओन्स जाबेउर से होगा।अरब स्टार जाबेउर का सामना करने की संभावना पर राडुकानु ने कहा, वह निश्चित रूप से यहां घरेलू पसंदीदा हैं, जो होना भी चाहिए। मैं वास्तव में ओन्स को काफी पसंद करती हूं, वह ऐसी व्यक्ति हैं जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है।

मुंबई ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंची श्रीवल्ली, शारापोवा की पोशाकें देखकर टेनिस की ओर प्रेरित हुई

मुंबई ।

भारत की उभरती हुई महिला टेनिस खिलाड़ी श्रीवल्ली भामिदिपति ने क्वालीफाइंग दौर में दो शानदार प्रदर्शन कर मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125के टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया है। श्रीवल्ली इस टूर्नामेंट में अपना अलग ही प्रभाव छोड़ना चाहती हैं। ये टूर्नामेंट छह साल के बाद मुम्बई के प्रतिष्ठित क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में खेला जा रहा है। एकल और युगल दोनों ही दौर में श्रीवल्ली शारापोवा से प्रेरित नजर आयीं। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रही मारिया शारापोवा की सुंदर पोशाकों को देखकर टेनिस की ओर आकर्षित हुई। श्रीवल्ली के अनुसार शारापोवा द्वारा पहनी गई खूबसूरत पोशाकों को देखकर उनमें खेल के प्रति जुनून जगा। उन्होंने कहा, मैं शारापोवा की तस्वीरें देखती थी और मुझे उसके सुंदर कपड़े बहुत पसंद आते थे। मैं भी ऐसी सुंदर पोशाकें पहनना चाहती थी और यही कारण है कि मैंने 11 साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया और इस खेल से जुड़ गई। टेनिस खेलने से मुझे सुंदर पोशाकें पहनने का अवसर मिला। इसलिए, मेरे लिए खेलों में आना काफी आकस्मिक था। श्रीवल्ली ने खेल में रुचि होने के बाद इसे गंभीरता से लेना शुरू कर दिया। उन्हें होंने आगे कहा, मेरे लिए, यह हमेशा एक रोलर-कोस्टर सवारी थी। ईमानदारी से कहूं तो मुझे टेनिस का खेल और बाहर रहना बहुत पसंद है, क्योंकि इस तरह आपको घर पर रहकर पढ़ाई करने की ज़रूरत नहीं पड़ती थी। अपने पहले ही डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में श्रीवल्ली एक समय में एक गेम पर ध्यान दे रही है और यह तय कर रही है कि वह कोर्ट पर मौजूद हर अवसर का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करे। इस खिलाड़ी ने कहा, डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में मेरे पास बहुत अधिक लक्ष्य नहीं थे, क्योंकि यह मेरा पहला टूर्नामेंट है और इसलिए मैं बस वहां जाकर अपना अपना टेनिस खेलना और उसका आनंद उठाना चाहती थी। साथ ही कहा कि में मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करके उत्साहित हूं और आने वाले मुकाबलों मैं किसी भी अन्य मैच की तरह सामान्य रूप से खेलूंगी।

संक्षिप्त समाचार

कोच बाउचर ने बताया रोहित को कप्तानी से हटाने का कारण

रितिका के बयान से विवाद बढ़ा

केप टाउन । आईपीएल के 2024 सत्र के लिए मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाये जाने को लेकर प्रशंसकों ने काफी सवाल भी उठाये थे। वहीं कई दिग्गजों ने भी मुम्बई को पांच बार खिताब जिताने वाले कप्तान को हटाने पर नाराजगी जाहिर की थी। वहीं अब टीम के कोच मुख्य कोच मार्क बाउचर ने खुलासा किया है कि रोहित को टीम की कप्तानी से हटाना एक कठिन फैसला था। बाउचर ने साथ ही कहा कि फ्रेंचाइजी प्रबंधन यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि वह रोहित से अतिरिक्त बोझ हटाना चाहते थे। बाउचर ने हुए कहा कि हमने हार्दिक को एक खिलाड़ी के रूप में वापस लाने के लिए विंडो देखी। हम अभी भी रोहित को एक खिलाड़ी के रूप में चाहते हैं। हम जानते हैं कि वह टीम के लिए क्या कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि वह कप्तानी के बोझ के बिना अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले। उनक पिछले कुछ सत्र बल्लेबाजी के तौर पर सर्वश्रेष्ठ नहीं रहे पर उन्होंने कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। बाउचर को उम्मीद है कि रोहित अब कप्तानी से आजाद होने के बाद खुलकर बल्लेबाजी करेंगे। साथ ही कहा कि अब जब वह आईपीएल में कदम रखेंगे, तो कप्तान के रूप में उन पर से अतिरिक्त दबाव हट जाएगा और हो सकता है कि हमें रोहित से इस दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मिल जाए। वहीं रोहित की पत्नी रितिका सजदेह बाउचर के बयान के बाद जो कमेंट किया है उससे विवाद गहरा हो सकता है। रितिका ने टिप्पणी की, इसमें बहुत सी चीजें गलत हैं और इसे प्रशंसकों का ध्यान खींचने में ज्यादा समय नहीं लगा। उनका ये कमेंट जमकर वायरल होने लगा। इससे साफ है रोहित ओर मुम्बई टीम के बीच सबकुछ ठीक नहीं है।

शुभमन ने कराया उंगली का स्कैन, शीघ्र फिट होने की उम्मीद

दूसरी पारी में इंजेक्शन लगाकर उतरे थे खेलने

विशाखापत्तनम । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा है कि उंगली की चोट के कारण उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में इंजेक्शन लगाकर खेलना पड़ा था। शुभमन ने उंगली का 'स्कैन कराया है जिसमें चिंता की कोई बात नहीं दिखी है। वह अगले कुछ दिनों में पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। शुभमन दूसरे टेस्ट में उंगली में चोट लगने के कारण ही क्षेत्ररक्षण के लिए भी मैदान पर नहीं उतरे थे। इसी कारण उनकी जगह सरफराज खान को क्षेत्ररक्षण के लिए रखा गया था। शुभमन ने दूसरी पारी में सबसे ज्यादा 104 रन बनाए थे। भारतीय टीम की जीत के बाद इस खिलाड़ी ने कहा कि वह उंगली के स्कैन के लिए गए थे।उन्होंने कहा कि चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए मुझे कल स्कैन के लिए जाना पड़ा। वे जानना चाहते थे कि मेरी उंगली में कितना दर्द है और मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह जल्दी ठीक हो जाएगा पर फिर भी मैं इंजेक्शन लेकर बल्लेबाजी के लिए उतरा था। इससे पहले सुबह भारतीय टीम प्रबंधन ने एक बयान में कहा कि मैच के दूसरे दिन क्षेत्ररक्षण करते समय शुभमन की दाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी।

हम स्पिनरों के लिए सहायक पिचों की मांग नहीं करते : द्रविड़

विशाखापत्तनम ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत के बाद कहा कि हम स्पिनरों के लिए सहायक पिच की मांग नहीं करते हैं। द्रविड़ के अनुसार यह अनुमान लगाना कठिन है कि टेस्ट में पांच दिनों के दौरान कोई विशेष पिच कैसा व्यवहार करेगी। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 106 रनों से हराया था। इसके बाद से ही टर्निंग पिच को लेकर उठे सवाल से कोच नाराज हो गये। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन घरेलू मैदान पर खेलते समय स्पिनरों के लिए अधिक मददगार पिच की मांग नहीं करता है। साथ ही कहा कि ये अनुमान लगाना कठिन होता है कि टेस्ट में पांच दिनों के दौरान कोई विशेष पिच किस प्रकार का व्यवहार करती है।

वहीं इससे पहले साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ और पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ज्यादातर मैच स्पिनरों की सहायक पिच पर खेले गये थे और ऐसे अधिकतर मैच तीन के अंदर ही समाप्त हो गये थे। इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज के पहले दो टेस्ट चार दिनों में ही समाप्त हो गये हैं। दोनो में ही स्पिनर हावी रहे। हैदराबाद की पिच थोड़ी धीमी गति की थी जबकि विशाखापत्तनम में अधिकांश समय के दौरान पिच सपाट रही। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में जीत दर्ज करने के बाद जब द्रविड़ से जब पूछा गया कि आने वाले तीन मैचों की पिच भी विशाखापत्तनम की तरह ही होगी तो उन्होंने कहा कि अन्य लोगों की तरह उन्हें भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। द्रविड़ ने कहा, '' क्यूरेटर पिच तैयार करते है। इस इस प्रकार की

मांग नहीं करते हैं। भारत में पिचों पर गेंद टर्न लेती है पर कितना टर्न लेती है उसके विषय पर मैं बता नहीं सकता हूं क्योंकि में कोई विशेषज्ञ नहीं हूं। आमतौर पर भारत में चार या पांच दिनों के दौरान पिच से स्पिनरों को सहायता मिलती है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे कभी-कभी बताया जाता है कि गेंद तीसरे दिन से टर्न लेगी पर वह पहले दिन से ही टर्न लेने लगती है। वहीं कभी-कभी अंतिम दिन का पिच टर्न नहीं लेती।''

विराट के खेलने का फैसला टीम से जुड़ने के बाद होगा : द्रविड़

विशाखापत्तनम ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के तीसरे टेस्ट में खेलने का फैसला उनके टीम से जुड़ने के बाद ही होगा। विराट अभी विदेश में हैं और माना जा रहा है कि तीसरे टेस्ट में भी उनका खेलना तय नहीं है। द्रविड़ ने कहा कि टीम से जुड़ने के बाद ही उनके तीसरे टेस्ट में खेलने पर फैसला होगा। विराट ने पहले दो टेस्ट मैचों से निजी कारणों से नाम वापस ले लिया था। द्रविड़ के अनुसार सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए टीम की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। साथ ही कहा कि चयनकर्ता टेस्ट के लिए कोहली की उपलब्धता के बारे में तभी जवाब दे पायंगे। द्रविड़ ने कहा कि हम उनसे संपर्क करेंगे और पता लगाएंगे। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं से पूछना सबसे बेहतर रहेगा। मुझे भरोसा है कि अगले तीन टेस्ट के लिए टीम चयन से पहले जवाब देने के लिए वे सबसे अच्छे लोग हैं। मुझे भरोसा है कि अगले कुछ दिनों में टीम का चयन हो जाएगा। भारतीय टीम को दूसरे टेस्ट में कोहली के अलावा केएल राहुल और रवींद्र जड़ेजा की भी कमी महसूस नहीं हुई और उसने आसानी से मैच जीत लिया। यशस्वी जयसवाल ने मैच में दोहरा शतक लगाया जबकि शुभमन ने एक शतक लगाया। वहीं जसप्रीत बुमराह ने छह विकेट लिए।

वाइड बॉल पर चौका मारकर हिट विकेट हुए मैथ्यूज

कोलंबो । श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज यहां अफगानिस्तान के खिलाफ हुए एकमात्र टेस्ट मैच में अपना दोहरा शतक पूरा नहीं कर पाये और 141 रनों पर ही आउट हो गये। मैथ्यूज इस मैच में वाइड गेंद पर शॉट लगाकर अपना विकेट खो बैठे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें मैथ्यूज ने अफगान स्पिनर कायस अहमद की एक वाइड गेंद को तेज जोरदार शॉट लगाकर बाउंड्री के बाहर पहुंचाया पर इस दौरान वह अपना बल्ला विकेट पर मार बैठे और हिट विकेट हो गये। इस मैच में श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डि सिल्वा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु की थी। विश्वा फर्नांडो, असिता फर्नांडो और प्रभात जयसूर्या की तिकड़ी के आगे अफगानिस्तान की टीम अपनी पहली पारी में केवल 198 रन ही बना पाई। अफगानिस्तान की ओर से रहमत शाह ने 91 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। वहीं श्रीलंका ने पहली पारी में मैथ्यूज और दिनेश चांदीमल की शतकीय पारियों की सहायता से 439 रन बनाये। पहली पारी के आधार पर श्रीलंकाई टीम को 241 रन की बड़ी बढ़त मिली। वहीं अफगान टीम दूसरी पारी में 296 रन ही बना पायी। इस प्रकार श्रीलंका को जीत के लिए केवल 56 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने बिना कोई विकेट खोए ही हासिल कर लिया।

दूसरे टेस्ट में जीत से भारतीय टीम डल्यूटीसी रैंकिंग में ऊपर आयी

विशाखापत्तनम ।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली जीत से भारतीय टीम को लाभ हुआ है और टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 (डल्यूटीसी) रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अब भी नंबर एक पर कायम है। वहीं हैदराबाद में पहला टेस्ट हारने के बाद भारतीय टीम 5वें स्थान पर फिसल गयी थी पर अब विशाखापत्तनम टेस्ट जीत के कारण उसे रैंकिंग में लाभ हुआ है। दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड पर एक धमाकेदार जीत के बाद, भारत ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, टीम इंडिया ने साथ ही शीर्ष पर कायम ऑस्ट्रेलिया के बीच के अंतर को भी कम कर दिया है। दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड से मिली 28 रन की हार के बाद भारत को डब्यूटीसी रैंकिंग में भारी नुकसान उठाना पड़ा था। इससे डल्यूटीसी रैंकिंग में भारत बांग्लादेश से भी नीचे खिसककर 5वें स्थान पर पहुंच गया था। वहीं दूसरे टेस्ट में जीत ने उसे रैंकिंग में वापस शीर्ष पर पहुंचा दिया है, जिससे उनका अंक प्रतिशत 52.77 हो गया है। वहीं अंक तालिका में शीर्ष 5 टीमों के बीच कड़ी टक्कर बनी हुआ है, और शीर्ष 5 टीमों के बीच अंक प्रतिशत में केवल 5 फीसदी का अंतर है। ऑस्ट्रेलिया 55 फीसदी अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर कायम है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश 50 फीसदी अंक प्रतिशत के साथ क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवे स्थान पर है। विशाखापत्तनम टेस्ट में मिली जीत से भारतीय टीम सीरीज में 1-1 से बराबरी पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में 28 रन से जीत हासिल की थी। जीत के लिए 399 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 292 रन पर ही सिमट गयी थी। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन ने 3-3 विकेट लिए। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज अब 1-1 से बराबरी पर पहुंच गयी है। । भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मैच समाप्त होने के बाद भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बुमराह चैम्पियन खिलाड़ी है। रोहित ने कहा, आप जानते हैं कि इन हालातों में टेस्ट जीतना आसान नहीं है। हम चाहते थे कि हमारे गेंदबाज आगे बढ़ें और उन्होंने वैसा ही किया।

गांगुली के टर्निंग ट्रैक बयान पर द्रविड़ का करारा जवाब

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद कहा कि जिस प्रकार हमारे गेंदबाज प्रदर्शन कर रहे हैं उसको देखते हुए मुझे लगता है कि हमें टर्निंग ट्रैक तैयार करने की जरूरत ही नहीं है। गांगुली ने सोशल मीडिया में लिखा, जब मैं बुमराह, सिराज और मुकेश कुमार को गेंदबाजी करते देखता हूं तो सोचता हूं कि हमें भारत में टर्निंग ट्रैक तैयार करने की जरूरत ही क्या है। अच्छे विकेट पर मैच खेलने की मेरी चाहत हर एक मैच के साथ और ज्यादा बेहतर होती जाती है। ये गेंदबाज किसी भी सतह पर आपके लिए 20 विकेट ले सकते हैं। उनको कुलदीप और अक्षर जैसे स्पिनरों का साथ चाहिए। साथ ही कहा कि घर पर टर्निंग पिच के कारण पिछले कुछ साल में बल्लेबाजी का स्तर थोड़ा नीचे गिरा है। इसलिए अच्छे विकेट का होना तो बेहद जरूरी है। गांगुली के सोशल मीडिया पर दिये इस बयान पर टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने करार जवाब देते हुए कहा, '' क्यूरेटर पिच तैयार करते है। 'हम 'रैंक टर्नर' नहीं मांगते। स्वाभाविक है कि भारत में पिचों पर गेंद टर्न लेगी पर गेंद कितना टर्न लेगी बताया नहीं जा सकता क्योंकि मैं विशेषज्ञ नहीं हूं। भारत में चार या पांच दिनों के दौरान पिच से स्पिनरों को मदद मिलती है।'' भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में 106 रनों से हराकर सीरीज में बराबरी की है। ऐसे में अब बचे हुए तीन मैचों में भी पिच की भूमिका अहम रहेगी। दूसरे टेस्ट में मेहमान टीम के बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और कुलदीप यादव का सामना नहीं कर पाये थे।

पहले 'भारत ब्रांड' उत्पाद बिक्री केंद्र 'ग्रामलक्ष्मी हाट' का उद्घाटन

सूरत।

एनसीसीएफ द्वारा प्रमाणित और सखीमंडल बहनों द्वारा प्रबंधित सूरत जिले की पहली 'भारत ब्रांड' उपज बिक्री 'ग्रलामक्ष्मी हाट' का उद्घाटन जहांगीरपुरा, सूरत में किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में 'ग्रामलक्ष्मी हाट' से 'भारत ब्रांड' उत्पादों के वितरण के लिए रथों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर भारत ब्रांड चावल लॉन्च किया गया, जो अब ग्रामलक्ष्मी हाट में उपलब्ध होगा।

ग्रामलक्ष्मी हाट का प्रबंधन दो सहकारी समितियों नेशनल एग्रीकल्चरल को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NAFED) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया (NCCF) द्वारा प्रमाणित और भारतीय खाद्य निगम (FCI) के तहत सखी मंडल बहनों द्वारा किया जाएगा।

अल्लपाड तालुक के असनाड गांव द्वारा संचालित संस्कृति संखी मंडल की अध्यक्ष सेजल देसाई के नेतृत्व में सूरत जिले के अल्लपाड़ तालुक के ग्रामालक्ष्मी हृदय से लगभग 20 ग्रामहाटों में सामान की आपूर्ति की जाएगी और सखी मंडल की बहनों को रोजगार मिलेगा। सूरत जिले की ग्रामीण महिलाओं के बीच आर्थिक स्वतंत्रता और समृद्धि को बढ़ावा देने में 'ग्रामलक्ष्मी हाट' एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। भारत ब्रांड के तहत चना दाल, गेहूं का आटा, चावल, मूंग और मूंग दाल जैसी जरूरी और पौष्टिक चीजें लोगों तक पहुंचाई जाएंगी।

सूरत की रोबोटिक्स टीम लैब फ्यूजन ने पहला टेक चैलेंज जीता

सूरत ।

आरएफएल अकादमी द्वारा प्रशिक्षित टीम लैब फ्यूजन ने 25-28 जनवरी तक गोवा में आयोजित फर्स्ट टेक चैलेंज (एफटीसी) इंडिया नेशनल चैप्टर में भाग लिया और विजयी रही। टीम को अपने रोबोट और प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के लिए कंट्रोल अवार्ड मिला, जबकि टीम के सदस्य युगसिंह खारिया को उनके तकनीकी कौशल और वंचित समुदायों में रोबोटिक्स को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठित डीन लिस्ट फाइनलिस्ट अवार्ड मिला।

इस वर्ष की चुनौती थीम "सेंटर स्टेज" में पूरे भारत से 59 टीमों ने भाग लिया। टीम लैब फ़्यूज़न के ग्यारह सदस्यों, कक्षा 8-12 के छात्रों ने वस्तु का पता लगाने और

रणनीतिक निर्णय लेने में सक्षम एआई रोबोट को डिज़ाइन और प्रोग्राम किया। इसके बाद ड्रोन लॉन्च किया गया और कार्य प्रस्तुत किया गया। इस अविश्वसनीय उपलब्धि ने उन्हें लीग राउंड में 6-0 का शानदार रिकॉर्ड और खेल के सेमीफाइनल में जगह दिलाई।

रोबोट कौशल के अलावा, टीम लैब फ़्यूज़न रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ काम करती है। उनका "बट फर्स्ट, स्टेम" स्पॉटिफाई पॉडकास्ट और आकर्षक इंस्टाग्राम रील्स पोस्ट किया, 1 मिलियन से अधिक बार देखा गया, रोबोटिक्स अवधारणाओं को विनोदी तरीके से प्रस्तुत किया। सूरत में रोबोटिक्स शिक्षा में अग्रणी आरएफएल अकादमी द्वारा निर्देशित, टीम सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले साल, उन्होंने प्रथम विश्व चैम्पियनशिप, ह्यूस्टन, यूएसए में भारत का प्रतिनिधित्व किया और थिंक अवार्ड जीता।

टीम लैब फ़्यूज़न की यात्रा जारी है! वह 11-14 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एशिया पैसिफिक ओपन इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके अतिरिक्त, युगसिंह खारिया इस अप्रैल में ह्यूस्टन में पहली विश्व चैंपियनशिप में डीन लिस्ट नामांकन दौर में भारत के लिए प्रदर्शन करेंगे।

आरएफएल अकादमी के प्रबंधक अश्विन शाह ने कहा, "हमें टीम लैब फ्यूजन और युगसिंह की उपलब्धियों पर गर्व है।" "सामाजिक प्रभाव के प्रति उनका समर्पण, नवाचार और प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है। हम उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं!"

विशाल श्री श्याम भजन संध्या 3 मार्च को

सुरत भुमि, सूरत । बाबा श्याम के फाल्गुन मेले के उपलक्ष में श्री श्याम परिवार द्वारा विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन रविवार, 3 मार्च को किया जाएगा। इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य एवं अलौकिक दरबार वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम के लखदातार हॉल में कोलकाता के कारीगरों द्वारा सजाया जायेगा। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम पाँच बजे से अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। विशाल भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकारों के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गुरुजी जयशंकर चौधरी भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन में भव्य दरबार, अखण्ड ज्योत, इत्र-फुहार, पुष्प वर्षा, महाप्रसाद, छप्पन भोग, सवामणि आदि मुख्य आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

रुद्र गैस एंटरप्राइजेज लिमिटेड का आईपीओ 8 फरवरी 2024 को खुलेगा

रुद्र गैस एंटरप्राइजेज लिमिटेड की स्थापना 07 सितंबर 2015 को हमारे प्रमोटरों श्री कुश सुरेशभाई पटेल, श्री कश्यप सुरेशभाई पटेल और श्रीमती मंजुलाबेन सुरेशभाई पटेल द्वारा की गई थी। प्रबंधन के पास बुनियादी ढांचा उद्योग में 24 वर्षों से अधिक का संयुक्त अनुभव है।

कंपनी बुनियादी ढांचा क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं में शामिल है। कंपनी मुख्य रूप से गैस वितरण नेटवर्क परियोजनाओं, फाइबर केबल नेटवर्क, निर्माण मशीनरी और वाहन पट्टे पर देने में शामिल है। कंपनी शहरी गैस वितरण क्षेत्र के लिए संपूर्ण समाधान प्रदान करती है। सिटी गैस वितरणमें पाइपलाइन निर्माण, सिविल कार्यों और पाइपलाइन नेटवर्क के संचालन और रखरखाव में कंपनीकी विशेषज्ञता है। कंपनीती सेवाएँ कंप्रेस्ड प्राकृतिक गैस ("सीएनजी") और पाइप्ड प्राकृतिक गैस ("पीएनजी") जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों का सुरक्षित और कुशल परिवहन सुनिश्चित करती हैं। फाइबर केबल नेटवर्क क्षेत्र में, कंपनी ऑप्टिकल फाइबर केबल स्थापना और रखरखाव सेवाएं प्रदान करती है।

कंपनी का मुख्यालय अहमदाबाद में है और भारत के 15 से अधिक राज्यों में इसकी मजबूत उपस्थिति है। इसमें 9 साल का अनुभव, 50 से अधिक परियोजनाएं और 512 अत्यधिक कुशल और अनुभवी कर्मचारी हैं। 31 अक्टूबर, 2023 तक, कंपनी के पास लगभग रू 32,783 लाख की ऑर्डर बुक है जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है और जिसमें से लगभग रू 7,571 लाख का राजस्व पहले ही बुक हो चुका है। 31 अक्टूबर 2023 के बाद 4590.80 लाख की नई ऑर्डर बुक प्राप्त हुई। कंपनी के पास टोरेंट गैस लिमिटेड, गुजरात गैस लिमिटेड, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड और अन्य सीजीडी कंपनियों की प्रभावशाली ग्राहक सूची है। कंपनी को प्रगति के अगले स्तर पर ले जाने का प्रस्ताव रखती है जिसके लिए वह बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर आईपीओ लेकर आ रही है। यह रू 10/- अंकित मूल्य वाले 2248000 इक्विटी शेयरों का इस्यू है।

एचडीएफसी बैंक ने स्व-रोज़गार कम्युनिटी के लिए बिजनेस क्रेडिट कार्ड रेंज के लॉन्च के साथ एसएमईपेमेंट सॉल्यूशंस का विस्तार किया

अहमदाबाद।

एचडीएफसी बैंक, भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक, ने आज बिज़नेस मालिकों, उद्यमियों और फ्रीलांसरों के लिए कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड की बिजनेस रेंज के लॉन्च के साथ अपने एसएमई पेमेंट सॉल्यूशंस के विस्तार की घोषणा की। क्रेडिट कार्ड 4 वेरिएंट में उपलब्ध होंगे - बिज़फर्स्ट, बिज़ग्रो, बिज़पावर और बिज़ब्लैक। बिज़नेस क्रेडिट कार्ड रेंज 55 दिनों का बेस्ट इन क्लास ब्याज-फ्री क्रेडिट साइकिल प्रदान करती है। इसमें क्रेडिटकार्ड धारक, विभिन्न सर्विसेज के बिल, जीएसटी, आयकर, विक्रेता भुगतान, बिज़नेस ट्रैवल और बिज़नेस उत्पादकता उपकरण जैसे मुख्य व्यावसायिक खर्चों पर बचत करती है।

यह ऑफर बैंक द्वारा पेश किए जाने वाले एसएमई पेमेंट सॉल्यूशंस के मजबूत समूह का एक हिस्सा है। एचडीएफसी बैंक का एसएमई भुगतान समाधान स्व-रोज़गार करने वाले लोगों, एसएमई और एमएसएमई की विविध भुगतान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बिज़नेसेज की भुगतान और प्राप्ति, दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार, बैंक ने एक इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म पेश किया है जो विक्रेता भुगतान, उपयोगिता बिल और वैधानिक भुगतान आदि जैसे सभी भुगतानों के लिए सुविधा प्रदान करता है। भुगतान की प्राप्ति के पहलू से, प्लेटफॉर्म को सप्लाई चेन सिस्टम को प्रबंधित करने और मिलान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके साथ ही बिज़नेस के लिए कई अन्य तालमेल को भी कस्टमाइज करने के लिए प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा सकता है। बेहतर नकदी-प्रवाह प्रबंधन के लिए प्लेटफॉर्म किए गए और स्वीकार किए गए भुगतानों के एक दृश्य के साथ एक विस्तृत डैशबोर्ड प्रदान करता है। बैंक दिसंबर 2023 तक 45 प्रतिशत की महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी के साथ कमर्शियल खर्च मार्केट में अग्रणी है।

बिज़नेस क्रेडिट कार्ड की नई रेंज की कल्पना एमएसएमई, स्टार्टअप, प्रोफेशनल्स और फ्रीलांसरों सहित स्व-रोज़गार

कम्युनिटी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई है। इस नई बिज़नेस क्रेडिट कार्ड रेंज को लॉन्च करने के मौके पर, श्री पराग राव, कंट्री हेड-पेमेंट्स, लायबिलिटीज प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग एचडीएफसी बैंक ने कहा कि ''एचडीएफसी बैंक में, हम स्व-रोज़गार के साथ-साथ बिज़नेस सेक्टर में एमएसएमई से लेकर बड़े कॉर्पोरेट तक की विविध भुगतान आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्व-रोज़गार कम्युनिटी की खास जरूरतों को समझते हुए, क्रेडिट कार्ड की हमारी बिज़नेस रेंज, उनकी रोजमर्रा की बिज़नेसेज आवश्यकताओं का समर्थन करने में एक व्यावहारिक गेम-चेंजर बनने के लिए डिज़ाइन की गई है।''

BNI ग्रेटर सूरत द्वारा आयोजित BNI बिजनेस कॉन्क्लेव 2024 में 10 हजार से अधिक उद्यमियों ने लिया हिस्सा

सूरत।

BNI ग्रेटर सूरत द्वारा 2 से 4 फरवरी 2024 तक आयोजित BNI बिजनेस कॉन्क्लेव 2024 का रविवार को समापन हुआ। तीन दिवसीय कॉनक्लेव ने 70 शहरों से 10 हजार से अधिक उद्यमियों ने हिस्सा लिया। यह बिजनेस कॉन्क्लेव स्टीम हाउस इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत और ऐविमी हर्बल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया था।

कॉन्क्लेव का पहला दिन विशेष रूप से टेक्सटाइल और ट्रैवल उद्योगों को समर्पित था। उसके बाद 3 और 4 फरवरी को सरसाणा में आयोजन हुआ। जिसमें कीनोट स्पीकर के तौर पर बॉलीवुड अभिनेता बोमन ईरानी मौजूद रहे। इसके बाद दो दिनों तक अलग अलग बिजनेस मीट और मास्टर क्लास के साथ ही वर्कशॉप का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए और मार्गदर्शन किया।

इस आयोजन के जरिए व्यावसायिक अर्थव्यवस्था में विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, ब्नहृद्ध ग्रेटर सूरत ने उद्योग के विकास और सकारात्मक बदलाव के लिए प्रभावशाली मंच बनाने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कॉन्क्लेव का उद्देश्य टेक्सटाइल और ट्रैवल क्षेत्रों में उद्यमियों के लिए सहयोग करने, विचारों का आदान- प्रदान करने और नए व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने के लिए एक गतिशील स्थान बनाना था।

BNI बिजनेस कॉन्क्लेव विभिन्न उद्योगों के 220+ प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ अब तक के सबसे बड़े व्यावसायिक कार्यक्रम रहा। जिसमें पूरे भारत से 70 से अधिक शहरों के 10,000 से अधिक उद्यमी और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता में 20% की कमी का लक्ष्य रखा

सूरत - हजीरा।

दुनिया के दो प्रमुख इस्पात निर्माता आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील के संयुक्त उद्यम आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने आज अपनी पहली क्लाइमेट एक्शन रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट का उद्देश्य भारत में कार्बन रहित विकास में तेजी लाना है । इसके लिए तत्काल कार्रवाई की रूपरेखा इस रिपोर्ट में है । रिपोर्ट भारतीय इस्पात क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण को रेखांकित करती है क्योंकि देश 2026-27 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखता है।

आदित्य मित्तल, चेयरमैन, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया)ने कहा, "हमारी कंपनी और देश दोनों का विस्तार हो रहा है। हम विकास तथा उत्सर्जन को अलग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।रिसर्च बताती है कि यदि पूरी तरह बदलाव न किया गया तो स्टील की बढ़ती मांग से 2050 तक उत्सर्जन में 200त्न की वृद्धि हो सकती है। आज, हम घोषणा करते हैं कि हम एक रोडमैप के साथ एएम/एनएस इंडिया की उत्सर्जन तीव्रता में अतिरिक्त 20% की कमी का लक्ष्य रख रहे हैं। लंबी अवधि में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए। एएम/एनएस इंडिया वर्तमान में भारत में एकीकृत इस्पात उत्पादकों में सबसे कम उत्सर्जन तीव्रता वाले देशों में से एक है, जिसने 2015 के बाद से अपनी उत्सर्जन तीव्रता को एक तिहाई कम कर दिया है।"

दिलिप ओम्मेन, सीईओ, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया)ने कहा, "एक स्पष्ट मार्ग के साथ, हमारी दोनों मूल कंपनियां, आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील, 2050 तक नेट जीरो बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एएम/एनएस इंडिया जैसे ही अगले विकास चरण में प्रवेश करता है, हम विभिन्न मोर्चों और समय सीमाओं में विशिष्ट प्रतिबद्धताओं और कार्यों के साथ अपनी निकट अवधि डीकार्बोनाइजेशन रणनीति को स्पष्ट करने के लिए इस महत्वपूर्ण क्षण का लाभ उठाते हैं। हमारी रिपोर्ट दीर्घकालिक विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा भी पेश करती है जिसमें उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के लिए प्रमुख चुनौतियों पर स्पष्टता हो तथा उसे सहयोगात्मक रूप से संबोधित किया जा सके ।

सैमसंग ने गैलेक्सी एक्सकवर7 पेश किया है, जो सैन्य-ग्रेड स्थायित्व की सुविधा देने वाला पहला उद्यम है

गुरुग्राम।

भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज पहला उद्यम केंद्रित स्मार्टफोन गैलेक्सी एक्सकवर7 पेश किया, जो एक शक्तिशाली उपकरण है जो मजबूत है और उत्कृष्ट उपयोगिता प्रदान करता है। गैलेक्सी एक्सकवर7 सर्वाइव को चरम स्थितियों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका लक्ष्य पेशेवरों के लिए जीवन को आसान बनाना, तेज कनेक्टिविटी, असान निरंतरता प्रदान करना और बाहरी कारकों से हस्तक्षेप के जोखिम को कम करना है, ताकि वे तेजी से और स्मार्ट तरीके से काम कर सकें।

Galaxy XCover7 5G कनेक्टिविटी, उन्नत मोबाइल प्रोसेसर प्रदर्शन और बढ़ी हुई मेमोरी के साथ बेहतर गतिशीलता प्रदान करता है। गैलेक्सी XCover7 सिंगल और मल्टीपल बारकोड/क्यूआर कोड स्कैनिंग और विस्तारित डिस्प्ले आकार और रिज़ॉल्यूशन के लिए अनुकूलित एक नए शक्तिशाली रियर कैमरे के साथ आता है, जो उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेटिंग्स में काम करने की क्षमता देता है। किसी भी सेटिंग में सुविधाजनक रिचार्जिंग के लिए एक आसान पोगो चार्जिंग पिन और दस्ताने पहनकर भी उपयोग को समर्थन देने के लिए बढ़ी हुई स्पर्श संवेदनशीलता गैलेक्सी XCover7 को एक विश्वसनीय और सुविधा उन्मुख उत्पाद बनाती है।

अपने स्थायित्व और अत्याधुनिक विशेषताओं को परिभाषित करते हुए, गैलेक्सी एक्सकवर7 उपयोगकर्ताओं को आसान निरंतरता और बेहतर उत्पादकता सुनिश्चित करते हुए दुनिया में कहीं से भी काम करने की सुविधा देता है। स्मार्टफोन श्रृंखला एक आकर्षक, चौड़ी-स्क्रीन डिस्प्ले के साथ आती है जो दृश्य स्पष्टता में सुधार करती है और उपयोगकर्ताओं को क्षेत्र में भी अधिक कुशलता से काम करने में मदद करती है। गैलेक्सी XCover7 में नॉक्स वॉल्ट इन उपकरणों पर सबसे महत्वपूर्ण डेटा को सुरक्षित रखने में मदद करता है, जिसमें लॉक स्क्रीन जानकारी जैसे पिन कोड, पासवर्ड और पैटर्न शामिल हैं।

सैमसंग आर एंड डी इंस्टीट्यूट, नोएडा और आईआईटी कानपुर बीच हुआ समझौता

गुरुग्राम।

नोएडा स्थित सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट (एसआरआई-नोएडा) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटीके) के साथ पांच साल के लिए एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत विकास के प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें आईआईटी कानपुर के छात्रों, फैकल्टी और सैमसंग के इंजीनियर्स की संयुक्त शोध परियोजनाएं शामिल होंगी, जिससे छात्रों को उद्योग के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। ये अनुसंधान परियोजनाएं स्वास्थ्य, विजुअल, फ्रेमवर्क और बी2बी सुरक्षा जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ जनरेटिव एआई और क्लाउड जैसे अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में फैली होंगी। शोध परियोजनाओं के अलावा यह एमओयू एआई, क्लाउड और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सैमसंग इंजीनियरों को कौशल बढ़ाने के अवसर प्रदान करना चाहता है।

एसआरआई-नोएडा के प्रबंध निदेशक क्यूंग युनरू और आई आईटी कानपुर के अनुसंधान एवं विकास विभाग के डीन प्रो. तरूण गुप्ताक ने आईआईटी कानपुर डायरेक्टर प्रोफेसर एस गणेश, आईआईटी कानपुर में डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री के प्रोफेसर संदीप वर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर तुषार संधान और सैमसंग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एमओयूपर हस्ताक्षर किए।

"हम आईआईटी कानपुर के साथ इस साझेदारी वाली यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं।यह सहयोग शैक्षणिक उत्कृष्टता को औद्योगिक अन्वेषण के साथ मिलाने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है, जिससे छात्र उद्योग के लिए तैयार हो सकें। हम विचारों, ज्ञान और प्रतिभा के गतिशील आदान-प्रदान की आशा करते हैं, जो निश्चित रूप से अभूतपूर्व परियोजनाओं की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए और सैमसंग और आईआईटी कानपुर दोनों के विकास में योगदान देगा।" एसआरआई-नोएडा के प्रबंध निदेशक क्यूंग युनरू ने कहा "आईआईटी कानपुर की अकादमिक उत्कृष्टता को सैमसंग इंडिया की उद्योग विशेषज्ञता के साथ जोड़कर, हमारा लक्ष्य अत्याधुनिक परियोजनाओं के लिए एक गति शील वातावरण बनाना और अपने छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए अमूल्य अवसर प्रदान करना है। यह समझौता ज्ञापन सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक उद्योग समाधानों के बीच संबंध बनाते हुए, शिक्षा और उद्योग के बीच अंतर को पाट ने में आईआईटी कानपुर की तरफ से की जा रही निरंतर कोशिशों का नतीजा है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)